www.shabdawanisamachar.page | राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र | RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

वर्षः 24 अंकः 255 नई दिल्ली, शुक्रवार, 10 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

Dedicated to Sindhi Council of India

भारत-ऑस्ट्रेलिया ने व्यापार, परमाणु ऊर्जा और रक्षा सहयोग को नई गति देने का संकल्प लिया : मोदी

मेलबर्न। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के बीच गुरुवार को यहां आयोजित तीसरे वार्षिक शिखर सम्मेलन के बाद हुई संयुक्त प्रेस वार्ता में दोनों देशों ने व्यापार, निवेश, परमाणु ऊर्जा, रक्षा, समुद्री सुरक्षा और शिक्षा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग को नई गति देने का संकल्प व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी ने पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व प्रगति की है और अब यह सहयोग नए आयाम हासिल कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पीएम एंथनी अल्बनीज के व्यक्तिगत प्रयासों और उनकी प्रतिबद्धता ने भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को नई ऊंचाइयों और व्यापकता प्रदान की है। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया दो जीवंत लोकतंत्र, बहुसांस्कृतिक समाज और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की महत्वपूर्ण समुद्री शक्तियां हैं। दोनों देशों की समान सोच और साझा वैश्विक दृष्टिकोण आपसी विश्वास को लगातार मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में हुए आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते (ईसीटीए) के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश में लगातार वृद्धि हुई है। अब दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक सहयोग

समझौते (सीईसीए) को शीघ्र अंतिम रूप देने का निर्णय लिया है, जो संतुलित, महत्वाकांक्षी और दोनों पक्षों के लिए लाभकारी होगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में आज महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, जिससे ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की आपूर्ति का मार्ग खुलेगा। उन्होंने कहा कि इससे भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को नई मजबूती मिलेगी और ऊर्जा सुरक्षा भी सुदृढ़ होगी। रक्षा सहयोग का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा नवाचार गलियारे (डिफेंस इनोवेशन कॉरिडोर) के माध्यम से दोनों देशों के रक्षा स्टार्टअप और उद्योगों को जोड़ा जाएगा। साथ ही समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप के जरिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा सुरक्षा प्रयासों को और मजबूत किया जाएगा। आतंकवाद के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया का मानना है कि आतंकवाद किसी एक देश की नहीं बल्कि पूरी मानवता की गंभीर चुनौती है। इसलिए आतंकवाद के खिलाफ दोनों देशों की लड़ाई साझा है, संकल्प अटूट है और सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी संघर्षों और युद्धों का समाधान केवल संवाद और कूटनीति के माध्यम से संभव है। दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता, नौवहन की स्वतंत्रता और नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करेंगे। मोदी ने कहा कि भारतीय मूल के लोग ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक और सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया भारतीय छात्रों के लिए पसंदीदा शिक्षा गंतव्य रहा है और भारत में ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों के परिसर खुलने से दोनों देशों की ज्ञान साझेदारी का नया अध्याय शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि दोनों देश छात्रों, पेशेवरों और पर्यटकों के बीच आवागमन और संपर्क बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

गलवान के बाद मोदी सरकार ने चीन के प्रति नरम रुख अपनाया, देश की आर्थिक निर्भरता बढ़ी : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार पर चीन के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि गलवान संघर्ष के छह वर्ष बाद भी भारत की अर्थव्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चीन पर निर्भरता लगातार बढ़ी है। इससे देश के राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचा है।

मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि गलवान में 20 भारतीय सैनिकों के बलिदान के बाद प्रधानमंत्री ने चीन को क्लीन चिट दे दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया लेकिन केंद्र सरकार ने भारत के हितों के सामने समर्पण कर दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 2025-26 तक चीन से भारत का आयात गलवान के बाद 101.81 प्रतिशत बढ़ गया और व्यापार घाटा बढ़कर 112.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया। उन्होंने दावा किया कि भारत के एंटीबायोटिक आयात का 86 प्रतिशत हिस्सा चीन से आता है, जबकि एपीआई, बल्क ड्रग और ड्रग इंटरमीडिएट आयात में भी चीन की हिस्सेदारी लगभग 74 प्रतिशत है।

खरगे ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में भारत के 66 प्रतिशत ईवी कंपोनेंट चीन से आते हैं। इसके अलावा भारतीय ईवी में इस्तेमाल होने वाली लगभग 75 प्रतिशत लिथियम-आयन बैटरियां आयातित हैं और उनका अधिकांश हिस्सा चीन से आता है। साल 2025-26 में भारत ने 93 प्रतिशत स्थायी

चुंबकों (परमानेंट मैग्नेट) का आयात चीन से किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में साल 2025-26 में भारत के 99 प्रतिशत से अधिक अनडिफ्यूज्ड सिलिकॉन वेफर आयात चीन से हुए। आत्मनिर्भर भारत की बात करने वाली सरकार सौर ऊर्जा क्षेत्र में भी चीन पर अत्यधिक निर्भर है।

खरगे ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने चार चीनी कंपनियों को सरकारी बिजली परियोजनाओं में बोली लगाने की अनुमति देकर चीन के लिए नए अवसर खोल दिए हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक समाज की रिपोर्टों के अनुसार चीन अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख में भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण जारी रखे हुए है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की गतिविधियों में चीन की भूमिका का उल्लेख सेना के उप प्रमुख द्वारा किया गया था और यह आधिकारिक रूप से दर्ज है।

सार संक्षेप

सीबीआई ने सट्टेबाजी घोटाले में 11 आरोपपत्र दाखिल किए

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने गुरुवार को महादेव ऐप सट्टेबाजी गिरोह के सिलसिले में 11 आरोपपत्र दाखिल किए जिनमें कथित भ्रष्टाचार के मामले में छह और अवैध सट्टेबाजी नेटवर्क से जुड़े एक अलग मामले में पांच आरोपपत्र शामिल हैं। एजेंसी ने भ्रष्टाचार के मामले में असीम दास, रोहित गुलाटी, विकास छपरिया, अनिल धम्मानी, विशाल आहूजा और धीरज आहूजा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए।

सेना प्रमुख ने एलओसी से लगते क्षेत्रों में जानी तैयारियां

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ, राजौरी और सुंदरबनी सेक्टरों में नियंत्रण रेखा से लगते अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया और सुरक्षा स्थिति तथा क्षेत्र में तैनात सैन्य संरचनाओं की संचालन तैयारियों की समीक्षा की। जनरल सेठ को नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा माहौल, संचालन तैनाती, निगरानी और व्हाइट नाइट कोर के तहत संरचनाओं की एकीकृत संचालन तैयारी के बारे में जानकारी दी गई।

यमुना सफाई के लिए दो पायलट परियोजनाएं शुरू

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने यमुना की सफाई और नदी पुनर्जीवन को गति देने के लिए राष्ट्रीय राजधानी के शास्त्री पार्क तथा कैलाश नगर नालों में लगभग 10 एमएलडी क्षमता वाली प्रकृति आधारित दो पायलट परियोजनाओं की शुरुआत की है। जल शक्ति मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि ये परियोजनाएं सतत नदी पुनर्जीवन कार्यक्रम के तहत शुरू की गई हैं।

टीएमसी के 3 पूर्व सांसद भाजपा में शामिल

भाजपा ने तीनों को राज्यसभा उपचुनाव में उम्मीदवार बनाया

कोलकाता, 9 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के तीन पूर्व राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव, सुखेंदु शेखर राय और प्रकाश चिक बराइक गुरुवार को भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा ने तीनों को बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में टीएमसी

■ पश्चिम बंगाल में 3 सीटों पर 24 को हैं उपचुनाव

की हार के बाद तीनों नेताओं ने राज्यसभा की सदस्यता और टीएमसी से इस्तीफा दे दिया था। तीनों ने ममता से नाराजगी जताई थी और कहा था कि पार्टी मनमाने ढंग से चल रही है। सुखेंदु ने 8 जून, सुष्मिता ने 10 जून और प्रकाश ने 11 जून को रिजाइन दिया था। बंगाल की इन तीन राज्यसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए 24 जुलाई को वोटिंग और काउंटिंग होगी।

ममता को खातों से धन निकालने की मिली अनुमति

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को अंतरिम राहत देते हुए लेन-देन पर रोक लगाए गए पार्टी के तीन बैंक खातों से आवश्यक संगठनात्मक और कानूनी खर्चों के लिए धन का उपयोग करने की अनुमति दे दी है। हालांकि, अदालत ने इन खातों के संचालन को एक विशेष अधिकारी की देखरेख में रखने का निर्देश दिया है।

मानसून ने पूरे देश को कवर किया

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मानसून गुरुवार को राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के बचे हुए हिस्सों में आगे बढ़ते हुए पूरे देश में फैल गया है। मौसम विभाग की विज्ञप्ति के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश और उसके आसपास के इलाकों में एक स्पष्ट कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके प्रभाव से आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और आज एवं कल उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश होने के आसार हैं। इसके विपरीत, आज से देश के मध्य हिस्सों (महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश) में और कल से दक्षिण भारत में बारिश की गतिविधियों में काफी कमी आने के आसार हैं।

भारत में 500 मिलियन डॉलर निवेश करेगा ऑस्ट्रेलियनसुपर, पीएम मोदी ने किया स्वागत

नई दिल्ली/(हि.स)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को भारत के नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) में ऑस्ट्रेलियनसुपर के 500 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर के अतिरिक्त निवेश का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह निवेश भारत की आर्थिक प्रगति और सुधारों पर वैश्विक निवेशकों के बढ़ते भरोसे का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि ऑस्ट्रेलियनसुपर का नया निवेश भारत की विकास यात्रा में दुनिया के विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि ये यह भारत की तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था में मौजूद विशाल निवेश अवसरों का भी प्रमाण है। इस निवेश की घोषणा मेलबर्न में आयोजित ऑस्ट्रेलिया-भारत वार्षिक लीडर्स समिट के दौरान की गई।

इस निवेश की घोषणा आज सुबह

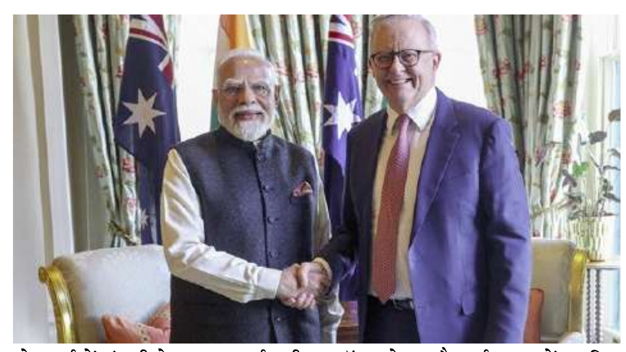

मेलबर्न में कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पॉल श्रोडर ने किया। ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े पेंशन फंड ऑस्ट्रेलियनसुपर के सीईओ पॉल श्रोडर ने 500 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर के अतिरिक्त निवेश की जानकारी दी। अब इस निवेश के बाद भारत में सभी एसेट क्लास में ऑस्ट्रेलियनसुपर का कुल निवेश बढ़कर 3.3 बिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर हो गया है। वर्ष 2015 में स्थापित नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) का उद्देश्य भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में दीर्घकालिक संस्थागत निवेश को आकर्षित करना है। वर्तमान में ऑस्ट्रेलियनसुपर भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर, इक्विटी और प्राइवेट मार्केट में लगभग 2.8 बिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का निवेश कर चुका है।

स्मार्ट बॉर्डर प्रणाली दुनिया की सबसे आधुनिक होगी : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश की सीमा सुरक्षा व्यवस्था को स्मार्ट बॉर्डर की अवधारणा के अनुरूप दुनिया की सबसे आधुनिक प्रणाली

बनाने की दिशा में काम कर रही है। अगले तीन वर्षों में मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क पर गंभीर प्रहार कर उस पर निर्णायक विजय हासिल की जाएगी, जबकि अवैध घुसपैठ को पूरी तरह रोकने के लिए मजबूत और एकीकृत सुरक्षा तंत्र विकसित किया जा रहा है। शाह ने यहां सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन-2026 को संबोधित करते हुए कहा कि इस सम्मेलन ने सीमा सुरक्षा के व्यापक दृष्टिकोण को संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है। भविष्य में तटीय सीमाओं की सुरक्षा के लिए भी इसी प्रकार समग्र रणनीति अपनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में सीमा सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों, उनके समाधान तथा आवश्यक नीतिगत उपायों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सीमा सुरक्षा बलों, राज्य एवं जिला प्रशासन, भारत सरकार के संबंधित विभागों तथा स्थानीय नागरिकों को साथ जोड़कर एक मजबूत चतुर्भुज सुरक्षा ग्रिड तैयार कर रही है। सुरक्षित सीमा, समृद्ध सीमावर्ती क्षेत्र और सतर्क समाज मिलकर ही देश की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश नक्सलवाद तथा जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर में आतंकवाद जैसी चुनौतियों से काफी हद तक मुक्त हुआ है, जो सामूहिक प्रयासों की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि पहले समस्याएं स्थायी और उनके समाधान अस्थायी हुआ करते थे, लेकिन वर्तमान सरकार समस्याओं की जड़ पर प्रहार कर स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। शाह ने कहा कि सरकार ने सीमा क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे पर निवेश में 400 प्रतिशत की वृद्धि की है और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ सीमा सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है।

ईरान की अमेरिका को चेतावनी

धमकियों से नहीं खुलेगा होर्मुज स्ट्रेट

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की ओर से लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी हमले जारी रखने पर ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट का संचालन ईरान की शर्तों के मुताबिक होगा, अमेरिकी धमकियों के आधार पर नहीं। उन्होंने साफ कहा कि अगर अमेरिका हमला करेगा तो उसे

■ हमला करोगे तो जवाब मिलेगा

जवाब भी मिलेगा। बेवजह हाथ-पैर मत मारिए, वरना आप और ज्यादा मुश्किल में फंसेंगे।'

अमेरिकी सेना ने फिर हमले किए

अमेरिकी सेना ने दूसरे दिन भी ईरान पर हमले किए। इन हमलों का उद्देश्य होर्मुज स्ट्रेट में नौवहन की स्वतंत्रता को खतरे में डालने की ईरान की क्षमता को कमजोर करना है। अमेरिकी नौसेना के 20 से अधिक युद्धपोत पूरे मध्य पूर्व के समुद्री क्षेत्र में गश्त कर रहे थे।

अब महाराष्ट्र में यूसीसी की तैयारी

मुख्यमंत्री फडणवीस ने सात सदस्यीय समिति बनाई

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने यूसीसी का मसौदा तैयार करने और उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस रंजना देसाई की अध्यक्षता में सात सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति गठित करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरूवार को विधानसभा में इसकी घोषणा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समिति समान नागरिक संहिता से जुड़े सभी कानूनी, सामाजिक और प्रशासनिक पहलुओं का विस्तार से अध्ययन करेगी।

बीमारी — *हर साल दुनिया भर में कैंसर के 2.06 करोड़ नए मामले आते हैं सामने*

कैंसर से हर दिन 26 हजार लोगों की मौत

जेनेवा, 9 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक दुनिया भर में हर दिन कैंसर की वजह से 26,000 से अधिक लोग अपनी जान गंवा रहे हैं और साल 2050 तक कैंसर के सालाना मामलों की संख्या बढ़कर करीब 3.5 करोड़ पहुंच सकती है। डब्ल्यूएचओ और इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईआरएसी) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई 'ग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट ऑन कैंसर 2026' में यह जानकारी दी गई।

वर्तमान में हर साल दुनिया भर में कैंसर के लगभग 2.06 करोड़ नए मामले सामने आते हैं और करीब एक करोड़ मौतें होती हैं। हृदय रोगों के बाद कैंसर दुनिया में मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण बना हुआ है।

रिपोर्ट में कैंसर के इलाज और देखभाल को लेकर दुनिया के अमीर और गरीब देशों के बीच की बड़ी असमानता पर गहरी चिंता जतायी गयी है। आंकड़ों के मुताबिक, उच्च आय वाले देशों में जहां स्तन कैंसर से पीड़ित 87 फीसदी महिलाएं

■ 2050 तक सालाना मामलों की संख्या 3.5 करोड़ पहुंच सकती है

इलाज के बाद पांच साल से अधिक समय तक जीवित रह पाती हैं, वहीं कम आय वाले देशों में यह आंकड़ा महज 42 प्रतिशत है। इसके अलावा, दुनिया के हर तीन में से केवल एक देश ने ही अपने सार्वभौमिक स्वास्थ्य पैकेज में कैंसर के इलाज को शामिल किया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने कहा, 'कैंसर एक बेहद दर्दनाक बीमारी है जो हममें से लगभग हर किसी को छूती है।

फेफड़ों का कैंसर मौत का बड़ा कारण

दुनिया भर में फेफड़ों (लंग) का कैंसर मौत का बड़ा कारण बना हुआ है। पुरुषों में फेफड़े, प्रोस्टेट और कोलोरेक्टल कैंसर सबसे ज्यादा पाए जाते हैं, जबकि महिलाओं में स्तन, फेफड़े और कोलोरेक्टल कैंसर के मामले सबसे अधिक हैं। राहत की बात यह है कि साल 2010 के बाद से तंबाकू के इस्तेमाल में 27 प्रतिशत की कमी आयी है, जिससे कुछ इलाकों में फेफड़ों के कैंसर के मामलों में गिरावट देखी गई है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने बारिश के दौरान जलनिकासी की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नई दिल्ली, 09 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बारिश के दौरान गुरुवार को शालीमार विधानसभा क्षेत्र के शालामार गांव में जलभराव से निपटने के लिए जलनिकासी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान मौजूद अधिकारियों को पानी की उचित निकासी के लिए दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में मानसून की भारी बारिश के बीच जलभराव से निपटने के लिए दिल्ली सरकार एवं सभी विभाग पूरी तत्परता से काम कर रहे हैं। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने आज कंट्रोल रूम का दौरा करते हुए मानसून के दौरान तैयारियों और निगरानी के सिस्टम का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि पहले दिल्लीवाले दुआ करते थे कि बारिश न हो क्योंकि इससे जल-जमाव हो जाता था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने दिल्ली में अच्छा ड्रेनेज सिस्टम बनाने का वादा किया और आज मिंटो ब्रिज जैसी 45 जगहों पर, जहां पहले बहुत ज्यादा जल-जमाव होता था, अब हालात वैसे नहीं हैं और वहां ट्रैफिक सामान्य रूप से चल रहा है। पिछले 24 घंटों में शहर में लगभग 100 एमएम बारिश हुई है।

मानसून की बारिश से दिल्ली की आबोहवा हुई साफ, बना इस साल का पहला अच्छा एक्यूआई वाला दिन

नई दिल्ली, 09 जुलाई (हि.स.)। मानसून की झमाझम बारिश के बाद दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण में भारी गिरावट दर्ज की गई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के अनुसार, गुरुवार का दिन साल का पहला सबसे कम वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) वाला दिन बन गया है। आयोग के मुताबिक गुरुवार को शाम चार बजे एक्यूआई 48 दर्ज किया गया जो अच्छे श्रेणी में आता है। आयोग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि राजधानी की आबो-हवा में यह बड़ा सुधार देखने को मिला है। साल 2026 का सबसे कम रोजाना औसत एक्यूआई दर्ज किया। आज शाम 4 बजे राजधानी का एक्यूआई 48 रहा, जो इस साल का पहला अच्छा एक्यूआई वाला दिन (0झ50) है। दिल्ली में पिछला अच्छा एक्यूआई वाला दिन 10 सितंबर 2023 को दर्ज किया गया था, जब रोजाना औसत एक्यूआई 45 था।

पटपड़गंज से 31700 ऑक्सीटोसिन के इंजेक्शन जब्त, स्वास्थ्य मंत्री बोले- दोषियों पर होगी सख्ती कार्रवाई

नई दिल्ली, 09 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग ने पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया में एक फार्मास्युटिकल प्रतिष्ठान का निरीक्षण करते हुए 31700 ऑक्सीटोसिन के इंजेक्शन जब्त किया है। यह ऑक्सीटोसिन इंजेक्शनों मई में खरीदने के बाद अनिवार्य कोल्ड चेन स्टोरेज के तय मानकों का उल्लंघन करते हुए सामान्य तापमान पर रखा गया था। यह कार्रवाई दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह के निर्देश पर जारी निरीक्षण अभियान का हिस्सा है। औषधि नियंत्रण विभाग निरीक्षण के दौरान औषधि नियंत्रण विभाग ने पाया कि ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन आईपी 5 क्ढ 5 आईयू/एमएल (जो तापमान के प्रति संवेदनशील दवा है) के एक बैच को प्रोडक्ट लेबल पर साफ तौर पर बताई गई जरूरी स्टोरेज शर्तों 2 डिग्री सेल्सियस से 8 डिग्री सेल्सियस के बजाय सामान्य कमरे के तापमान पर रखा गया था। यह स्टॉक मई 2026 में खरीदे जाने के बाद से कथित रूप से इसी स्थिति में रखा हुआ था। स्वास्थ्य मंत्री ने गुरुवार को विज्ञप्ति जारी कर कहा कि जीवनरक्षक और गंभीर बीमारियों की दवाओं के मामले में किसी भी स्तर पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि औषध एवं प्रसाधन अधिनियम और नियमों' के प्रावधानों का सख्ती से पालन सुनिश्चित जाएगा। नागरिकों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की रक्षा के लिए दिल्ली भर में विशेष प्रवर्तन अभियान और औचक निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे।

राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस पर अभाविप के सेवा, संवाद और जनजागरण कार्यक्रम

नई दिल्ली, 9 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), दिल्ली प्रदेश ने राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर राजधानी के सभी जिलों और नगर इकाइयों में सेवा, संवाद, संगोष्ठी, वृक्षारोपण, स्वच्छता एवं जनजागरण सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

इन आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण, सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

अभाविप प्रत्येक वर्ष 9 जुलाई को अपने स्थापना दिवस के रूप में राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस मनाती है। इस अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी स्थित अभाविप के यशवंत कार्यालय में दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं, राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस की पूर्व संध्या पर दिल्ली विश्वविद्यालय के आर्ट्स फैकल्टी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के वेदांत स्थल सहित विभिन्न स्थानों पर दीपोत्सव आयोजित कर विद्यार्थी शक्ति की राष्ट्र निर्माण में भूमिका का संदेश दिया गया।

राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के तहत राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में संगोष्ठियां, संवाद कार्यक्रम, सेवा बस्तियों में सेवा कार्य, वृक्षारोपण अभियान और स्वच्छता अभियान चलाए गए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा भावना, सामाजिक दायित्व, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र प्रथम की भावना को मजबूत करना रहा।

कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभाविप कार्यकताओं ने भाग लिया तथा युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया गया।

अभाविप, दिल्ली प्रदेश के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि संगठन का स्थापना दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि विद्यार्थी शक्ति के संकल्प, सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। अभाविप विद्यार्थियों को केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उन्हें सामाजिक दायित्व, राष्ट्रीय चेतना और सकारात्मक नेतृत्व से जोड़ने का निरंतर प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम इसी संकल्प की सशक्त अभिव्यक्ति हैं।

दिल्ली के रोहिणी में चारमंजिला इमारत गिरी, तीन की मौत, मलबे से मजदूर को जिंदा निकाला

नई दिल्ली, 09 जुलाई (हि.स.)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-16 में बुधवार शाम एक नवनिर्मित चारमंजिला (ग्राउंड प्लस) इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक मजदूर को कई घंटों के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद मलबे से जिंदा बाहर निकाल लिया गया। पुलिस, एनडीआरएफ, दमकल विभाग और अन्य एजेंसियों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान चलाया। पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त शशांक जायसवाल ने गुरुवार को बताया कि बुधवार शाम करीब 4:28 बजे पीसीआर पर सूचना मिली कि रोहिणी सेक्टर-16 के जी-4 पॉकेट स्थित मकान नंबर 151-152 में नवनिर्मित इमारत अचानक ढह गई है। सूचना मिलते ही केएन कटजू मार्ग थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वहां देखा गया कि पूरी इमारत जमींदोज हो चुकी थी और उसका मलबा सड़क तक फैल गया था। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि निर्माण कार्य के दौरान कुछ मजदूर और अन्य लोग इमारत के भीतर मौजूद थे, जो मलबे में दब गए हैं।

सूचना मिलते ही एनडीआरएफ, दिल्ली दमकल, टीपीडीडीएल और अन्य एजेंसियों की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं। भारी मशीनों और आधुनिक उपकरणों की मदद से मलबा हटाने का काम शुरू किया गया। कई घंटों तक चले अभियान के दौरान सबसे पहले मजदूर सद्दाम (34) को जिंदा बाहर निकाल लिया गया। घायल अवस्था में उसे तत्काल डॉ. बी.आर. आंबेडकर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

रेस्क्यू अभियान के दौरान मलबे से तीन शव भी बरामद किए गए। मृतकों की पहचान 42 वर्षीय राम, 20 वर्षीय नूरुल हुदा (उर्फ कफे) और 51 वर्षीय राम दुआ के रूप में हुई है।

राम स्थानीय निवासी थे और पेशे से दर्जी थे। नूरुल हुदा बहराइच जिले का रहने वाला था और निर्माण कार्य में मजदूरी करता था। वहीं राम दुआ उसी इमारत के मालिक का पिता बताया जा रहा है। तीनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह इमारत हाल ही में बनाई गई थी। हादसे के वक्त उसमें निर्माण से जुड़े कुछ कार्य चल रहे थे। अचानक पूरी इमारत भरभराकर गिर गई, जिससे वहां मौजूद लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया, जिसके बाद पुलिस और अन्य एजेंसियां भी पहुंच गईं।

हादसे के बाद पूरे इलाके को सुरक्षा की दृष्टि से घेर लिया गया। देर रात तक मलबा हटाने का काम जारी रहा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उसके नीचे कोई अन्य व्यक्ति दबा न रह गया हो। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक रेस्क्यू ऑपरेशन लगभग पूरा हो चुका है, हालांकि एहतियात के तौर पर मलबा हटाने का कार्य जारी रखा गया।

पुलिस ने इमारत के निर्माण, नक्शे की मंजूरी, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के पालन की जांच शुरू कर दी है। शुरूआती तथ्यों के आधार पर संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जांच के दौरान यह भी पता लगाया जाएगा कि निर्माण में किसी तरह की लापरवाही या नियमों का उल्लंघन तो नहीं हुआ। यदि ऐसा पाया जाता है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पहली मानसूनी बारिश में जलभराव पर काबू, दिल्ली सरकार का पहला बड़ा प्रयास सफल रहा : हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली, 09 जुलाई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि वर्षों बाद दिल्लीवासियों ने मानसून की पहली बारिश का स्वागत किया है, क्योंकि इस बार बारिश ने जहां भीषण गर्मी से राहत दी, वहीं व्यापक जलभराव जैसी समस्या देखने को नहीं मिली। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में किए गए पूर्व तैयारी के कार्यों का सकारात्मक परिणाम पहली ही बारिश में देखने को मिला।

हर्ष मल्होत्रा ने गुरुवार को कहा कि पिछले दस वर्षों के विपरीत इस बार घंटों तक हुई बारिश के बावजूद राजधानी के अधिकांश हिस्सों में जलभराव के कारण सामान्य जनजीवन या यातायात बाधित होने की स्थिति नहीं बनी। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों ने लंबे समय बाद मानसून की पहली बारिश का बिना किसी बड़ी परेशानी के आनंद लिया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली जल बोर्ड, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने संयुक्त रूप से नालों की डी-सिल्टिंग और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने का व्यापक अभियान चलाया। इसके तहत पिछले डेढ़ माह में नालों और सीवरों की सफाई कराई गई, 169 जलभराव संभावित स्थानों तथा 445 संवेदनशील स्थानों की पहचान की गई। साथ ही 28 जून से पहले 167 पंप हाउस और 754 मोबाइल पंप तैनात कर दिए गए थे, जिससे राजधानी पहली मानसूनी बारिश के लिए तैयार रही।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पहले राजधानी में मानसून की शुरूआती बारिश के साथ ही कई प्रमुख सड़कें जलमग्न हो जाती थीं और सरकारें इसे शुरूआती बारिश बताकर स्थिति सामान्य होने का आश्वासन देती थीं। इस बार स्थिति अलग रही और सरकार ने पहली ही बड़ी परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया।

उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों की बारिश में केवल गुरुवार सुबह ही लगभग 100 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज की गई। इसके बावजूद रिंग रोड, प्रमुख आर्टेरियल सड़कों और फ्लाईओवर लूप पर जलभराव की स्थिति को काफी हद तक नियंत्रित रखा गया और जनजीवन सामान्य बना रहा।

मल्होत्रा ने स्वीकार किया कि पुरानी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली के कुछ क्षेत्रों में जलभराव की समस्या सामने आई। उन्होंने इसका कारण स्थानीय आम आदमी पार्टी के विधायकों और पार्षदों की लापरवाही को बताया तथा कहा कि सरकार भविष्य में इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देगी।

पेट्रोल 82 रुपये प्रति लीटर होना चाहिए : केजरीवाल

नई दिल्ली, 09 जुलाई (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बावजूद देश में पेट्रोल की कीमतें कम नहीं की गई हैं। उन्होंने मांग की कि पेट्रोल की कीमत 82 रुपये प्रति लीटर की जाए, जबकि ई-20 पेट्रोल इससे भी सस्ता होना चाहिए।

अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत पहले 115 डॉलर प्रति बैरल थी, जो अब घटकर लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल रह गई है। इसके बावजूद देश में पेट्रोल की कीमत पहले भी लगभग 102 रुपये प्रति लीटर थी और आज भी ई-20 पेट्रोल इसी कीमत पर बेचा जा रहा है।

केजरीवाल ने दावा किया कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय कीमत के आधार पर कच्चे तेल की लागत लगभग 42 रुपये प्रति लीटर बैठती है। इसमें रिफाइनिंग, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों का मार्जिन, परिवहन खर्च, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, राज्यों का वैट और डीलर कमीशन जोड़ने पर भी पेट्रोल की कीमत लगभग 82 रुपये प्रति लीटर होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि ई-20 पेट्रोल बेचा जा रहा है तो इसकी कीमत इससे भी कम होकर करीब 70 रुपये प्रति लीटर होनी चाहिए।

केजरीवाल ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी आने से परिवहन लागत घटेगी, जिसका सीधा असर महंगाई पर पड़ेगा और आवश्यक वस्तुओं के दाम भी कम होंगे। इससे आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

केजरीवाल ने कहा कि वर्ष 2014 से अब तक कई बार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई, लेकिन उसका लाभ उपभोक्ताओं को नहीं दिया गया। इसके विपरीत तेल कंपनियों ने पिछले कुछ वर्षों में हजारों करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। केजरीवाल ने केंद्र सरकार से मांग की कि जनता के हित में तत्काल पेट्रोल की कीमत 82 रुपये प्रति लीटर की जाए तथा ई-20 पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी उचित कमी की जाए ताकि महंगाई से राहत मिल सके।

दिल्ली के कई हिस्सों में 100 मिमी से अधिक वर्षा होने के बाद भी यातायात सामान्य रहा : प्रवेश साहिब सिंह

नई दिल्ली, 09 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि पिछले 24 घंटों में दिल्ली के कई हिस्सों में 100 मिमी से अधिक वर्षा होने के बाद भी मिंटो ब्रिज, जखीरा, धौला कुआं और मूलचंद जैसे वे स्थान, जो कभी गंभीर जलभराव के लिए जाने जाते थे, वहां यातायात सामान्य बना रहा। यह बातें उन्होंने गुरुवार को मानसून कंट्रोल रूम पहुंचकर शहरभर में जलभराव की स्थिति की समीक्षा करने के दौरान कही। मंत्री ने यहां लाइव सीसीटीवी फीड के माध्यम से विभिन्न स्थानों की निगरानी की, फील्ड टीमों की कार्यप्रणाली का जायजा लेते हुए अधिकारियों को पूरे मानसून सीजन के दौरान अधिकतम सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए। मंत्री ने एकीकृत मॉनिटरिंग सिस्टम की समीक्षा की, जिसके माध्यम से शहर के संवेदनशील एवं जलभराव संभावित स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और फील्ड टीमों के साथ त्वरित समन्वय स्थापित किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि भारी वर्षा के बावजूद मिंटो ब्रिज, जखीरा, धौला कुआं और मूलचंद जैसे परंपरागत जलभराव वाले प्रमुख अंडरपासों सहित अधिकांश मुख्य मार्गों पर यातायात सुचारु बना रहा। यह विभाग द्वारा मानसून से पूर्व की गई व्यापक तैयारियों का परिणाम है।

समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि पीडब्ल्यूडी ने दिल्ली में जलभराव की दृष्टि से संवेदनशील 45 स्थानों की पहचान की है, जिनमें प्रमुख अंडरपास भी शामिल हैं। इन सभी स्थानों पर केंद्रीय कंट्रोल रूम से जुड़े 179 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। मैदानी स्तर पर तैयारियों को और मजबूत बनाने के लिए विभाग ने शहरभर में 167 स्थानों पर 754 स्थायी पंप तथा 273 स्थानों पर 305 अस्थायी पंप तैनात किए हैं। इसके अतिरिक्त इंजीनियरिंग टीमें, मशीनरी, पंप एवं आपातकालीन स्टाफ पूरे मानसून सीजन के दौरान हर समय तैयार हैं ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। मंत्री ने जन शिकायत निवारण व्यवस्था की भी समीक्षा की। 247 संचालित मानसून कंट्रोल रूम में सहायक अभियंता लगातार ड्यूटी पर तैनात हैं और विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों की निगरानी कर रहे हैं। नागरिक जलभराव अथवा संबंधित समस्याओं की सूचना टोल-फ्री हेल्पलाइन 1908, कंट्रोल रूम नंबर 011-23490323 अथवा व्हाट्सएप चैटबॉट 8130188222 पर दे सकते हैं। प्राप्त प्रत्येक शिकायत को तत्काल संबंधित कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता (फील्ड) एवं फील्ड स्टाफ को भेजा जाता है ताकि शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 48 घंटों के दौरान लगभग 120 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया गया। अधिकांश मामलों में जलभराव को 15 से 30 मिनट के भीतर समाप्त कर दिया गया, हालांकि यह वर्षा की तीव्रता और स्थल की परिस्थितियों पर निर्भर रहा।

अधिकारियों ने यह भी जानकारी दी कि पिछले 24 घंटों में दिल्ली के अनेक हिस्सों में औसतन लगभग 100 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि कुछ क्षेत्रों में इससे भी अधिक वर्षा हुई। इसके बावजूद लगातार निगरानी और फील्ड टीमों की त्वरित तैनाती के कारण अधिकांश महत्वपूर्ण स्थानों पर जनजीवन और यातायात पर न्यूनतम प्रभाव पड़ा। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि एक समय था जब बारिश शुरू होते ही दिल्ली के लोगों को जलभराव, जाम और घंटों की परेशानी की चिंता सताने लगती थी।

मुख्यमंत्री ने इंद्रलोक-इंद्रप्रस्थ मेट्रो कॉरिडोर के निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, 09 जुलाई (हि.स.)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को सराय रोहिल्ला मेट्रो स्टेशन निर्माण स्थल पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) की इंद्रलोक-इंद्रप्रस्थ मेट्रो कॉरिडोर परियोजना के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सराय रोहिल्ला मेट्रो स्टेशन पर डायफ्राम वॉल निर्माण कार्य की शुरूआत की गई, जो इस महत्वपूर्ण परियोजना का पहला निर्माण चरण है। उन्होंने कहा कि दिल्ली मेट्रो केवल एक परिवहन व्यवस्था नहीं, बल्कि विकसित दिल्ली की आधारशिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में आधुनिक एवं विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना का तेजी से विकास हो रहा है। दिल्ली सरकार भी इसी दृष्टि के अनुरूप राजधानी में सार्वजनिक परिवहन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए केंद्र सरकार एवं दिल्ली मेट्रो के साथ समन्वित रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि 12.377 किलोमीटर लंबा इंद्रलोक-इंद्रप्रस्थ कॉरिडोर दिल्ली मेट्रो की मैजेंटा लाइन (लाइन-8) का पूरी तरह भूमिगत विस्तार होगा। इस कॉरिडोर पर इंद्रलोक, दया बस्ती, सराय रोहिल्ला, अजमल खां पार्क, झंडेवालान मंदिर, नबी करीम, नई दिल्ली, दिल्ली गेट, दिल्ली सचिवालय-आईजी स्टेडियम और इंद्रप्रस्थ सहित कुल 10 आधुनिक भूमिगत मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि परियोजना पूरी होने के बाद मैजेंटा लाइन की कुल लंबाई लगभग 89 किलोमीटर हो जाएगी, जिससे यह दिल्ली मेट्रो की सबसे लंबी लाइन बन जाएगी।

दिल्ली के सरकारी कॉलेजों में स्टाफ संकट, बीएमएस ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 09 जुलाई (हि.स.)। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने दिल्ली सरकार के 12 वित्तपोषित कॉलेजों में कर्मचारियों की कमी का मुद्दा उठाया है। बीएमएस ने वित्तपोषित कॉलेजों में शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की कमी को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र भेजा है। बीएमएस दिल्ली के महासचिव डॉ. दीपेन्द्र चाहर ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि इन कॉलेजों में 696 शिक्षकों और 626 गैर-शिक्षण कर्मचारियों के पद खाली हैं। चाहर ने बताया कि 1,416 गैर-शिक्षण कर्मचारियों में से 626 आउटसोर्स के जरिए कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों की संख्या में लगभग 35 फीसदी वृद्धि होने के बावजूद स्टाफ नहीं बढ़ाया गया है, जिससे काम का बोझ बढ़ गया है। डॉ. चाहर ने कहा कि बीएमएस ने मांग की है कि अस्थायी भर्ती बंद हो, पुराने कर्मचारियों को पक्का किया जाए, मृतक आश्रित को नौकरी मिले और पुरानी पेंशन बहाल हो। संगठन ने चेतावनी दी कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

भविष्यफल

मेष- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष- हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

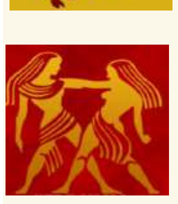

मिथुन- कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

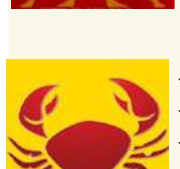

कर्क- किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह- अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या- संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है। अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला- महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक- स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

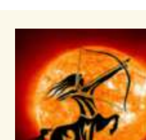

धनु- पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

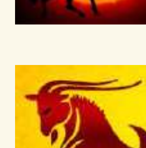

मकर- व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें, कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

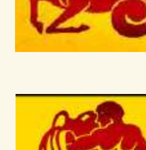

कुम्भ- जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-2-4-6

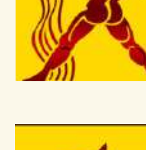

मीन- मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

अयातुल्ला अली खामेनेई सुपुर्द-ए-खाक

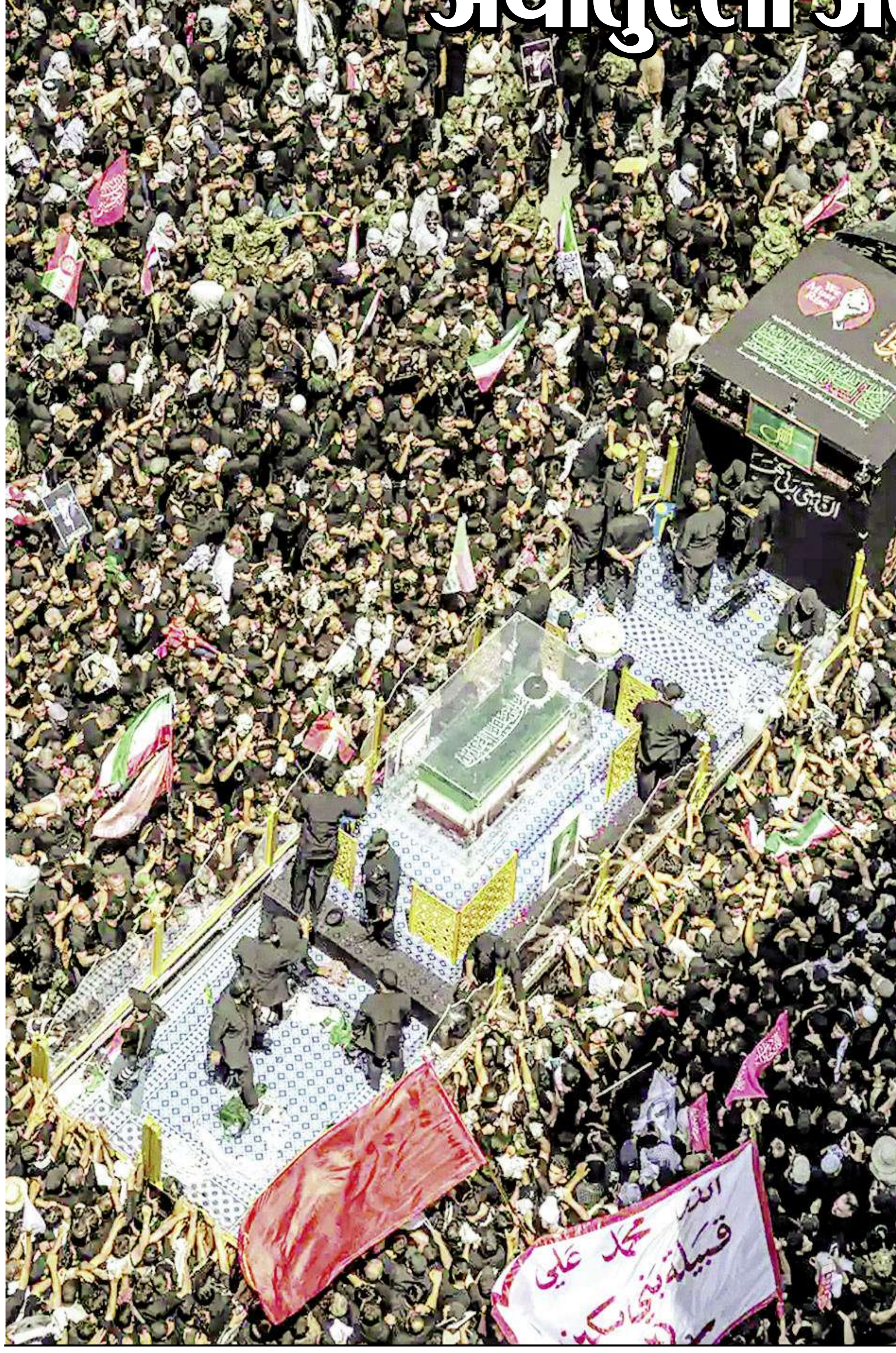

नम आंखों से करोड़ों ने दी विदाई, यूएस-ईरान तनाव के बीच सड़कों पर उमड़ा भारी जनसैलाब

● तेहरान/ (एजेंसी)

ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा के दौरान इराक के पवित्र शहर कर्बला में भारी भीड़ उमड़ी। सड़कें लोगों से पूरी तरह भर गईं। हजारों-लाखों लोग सुबह से ही अंतिम यात्रा के रास्ते और धार्मिक स्थलों के आसपास पहुंच गए थे। कई लोग तो एक दिन पहले ही कर्बला पहुंच गए थे ताकि उन्हें अच्छी जगह मिल सके। करोड़ों लोगों ने प्रिय नेता को नम आंखों से विदाई दी।

खामेनेई का ताबूत इराक के दूसरे पवित्र शहर नजफ ले जाया गया। वहां इमाम अली की दरगाह पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए। लोगों ने ताबूत को कंधों पर उठाया। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि ताबूत कई बार इधर-उधर झूलने लगा। कई लोग उसे छूने की कोशिश कर रहे थे, जिससे धक्का-मुक्की भी हुई। हजारों शोकाकुल लोग ईरानी झंडे, दिवंगत नेता की तस्वीरें लहराते हुए अंतिम यात्रा में शामिल हुए।

मशहद में ईरान के झंडे के साथ दिखे लोग

गुरुवार सुबह अली खामेनेई और उनके परिवार के चार अन्य सदस्यों के ताबूत इराक से विमान के जरिए मशहद लाए गए। इसके बाद ताबूत को सड़क के रास्ते नजफ से कर्बला लाया गया। जैसे ही ताबूत शहर पहुंचा। बड़ी संख्या में लोग उसके साथ चलने लगे। लोग ईरान के झंडे लहरा रहे थे और खामेनेई की तस्वीरें हाथ में लिए हुए थे। पूरे रास्ते धार्मिक नारे लगाए गए और लाउडस्पीकरों से भी लगातार घोषणाएं होती रहीं। भीषण गर्मी को देखते हुए लोगों के लिए जगह-जगह पानी का छिड़काव किया गया। खाने-पीने के स्टॉल भी लगाए गए ताकि दूर-दूर से आए लोगों को कोई परेशानी न हो।

देश के सबसे पवित्र तीर्थस्थल पर दफनाया

ईरान ने गुरुवार को अपने सर्वोच्च नेता रहे अयातुल्ला अली खामेनेई को उनकी इच्छानुसार मशहद स्थित इमाम रजा की दरगाह (श्राइन) में सुपुर्द-ए-खाक किया। उनकी यह अंतिम विदाई एक सप्ताह तक चले जनाजा जुलूसों और शोक सभाओं के बाद संपन्न हुई। खामेनेई को देश के सबसे पवित्र तीर्थस्थल पर दफनाया। उनके बेटे और उत्तराधिकारी मोजतबा खामेनेई लोगों के सामने नहीं आए। जिस हमले में उनके पिता की मौत हुई थी, उसमें वे बुरी तरह घायल हो गए थे। उत्तर-पूर्वी ईरान के मशहद में दफनाने की प्रक्रिया, एक हफ्ते तक चले बड़े अंतिम संस्कार जुलूसों, रैलियों और शोक सभाओं के बाद हुई। यह सब अमेरिका के साथ कुछ हफ्ते की शांति के बाद फिर से शुरू हुए टकराव के बीच हुआ। गुरुवार सुबह मशहद में लोगों की भीड़ ने मार्च किया। सुबह की धूप में इमाम रजा की दरगाह का सुनहरा गुंबद और मीनारें चमक रही थीं, और लोग ईरानी झंडे, दिवंगत खामेनेई की तस्वीरें और क्रांतिकारी नारों वाले पोस्टर लहरा रहे थे। पिछले एक हफ्ते में जब खामेनेई के शव को ईरान और इराक में ले जाया जा रहा था, तो इस्लामिक रिपब्लिक के धार्मिक नेताओं ने बड़ी संख्या में लोगों को इसमें शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि वे अपने धार्मिक शासन वाली सरकार की ताकत और वैचारिक जोश का प्रदर्शन कर सकें। हालांकि, अमेरिका और इज़राइल के महीनों तक चले ज़बरदस्त हमलों का सामना करने के बावजूद, ईरान को भारी अंदरूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और खामेनेई के 37 साल के शासन की विरासत पर तीखा विवाद है।

दफनाने की रस्म में ट्रम्प को मारो लिखे पोस्टर दिखे

मशहद की सड़कों पर काले कपड़े पहने हजारों लोग खामेनेई की तस्वीरें और लाल बैनर लेकर पहुंचे। कई प्रदर्शनकारियों ने यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ नारे लगाए। शहर में हमें उठ खड़ा होना होगा, ट्रम्प को मारो जैसे सरकारी संदेशों वाले बैनर भी लगाए गए। खामेनेई को इमाम रजा की दरगाह परिसर में बने मकबरे में दफनाया गया। खामेनेई का जन्म भी मशहद में हुआ था और उन्होंने शुरुआती धार्मिक शिक्षा यहीं प्राप्त की थी।

पहली बार सामने आई खामेनेई के घर की तबाही की तस्वीर

तेहरान, आरएनएन। ईरान के सरकारी मीडिया ने गुरुवार को पहली बार उन फुटेज को जारी किया जिनमें दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के आवासीय परिसर के अंदर हुए नुकसान को दिखाया गया है। यह फुटेज उस दिन जारी किया गया जिस दिन खामेनेई को मशहद में दफनाया जाना था। खामेनेई 28 फरवरी को हुए अमेरिकी-इजराइली हमले में मारे गए थे। 28 फरवरी को हुए हमले में खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई घायल हो गए थे। इसी हमले में मोजतबा की पत्नी जहरा, उनके बेटे मोहम्मद बगेर और अली खामेनेई की 14 महीने की पोती की भी मौत हो गई थी। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध के कारण खामेनेई का अंतिम संस्कार मार्च से जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। इससे पूर्व अयातुल्ला अली खामेनेई का जनाजा बुधवार को इराक के नजफ शहर में हजारों शोकाकुल लोगों की मौजूदगी में उठाया गया।

ईरानी मीडिया द्वारा साझा किए गए वीडियो में तेहरान में खामेनेई के आवासीय परिसर के हॉल में काफी नुकसान और मलबा दिखाई दे रहा है। इसमें खंडहर में तब्दील हो चुकी विशाल इमारतें और मलबे के ढेर दिखाई दे रहे हैं जो अमेरिकी-इजरायल संयुक्त हमलों का परिणाम हैं। बेयत-ए रहबरी के नाम से जाना जाने वाला यह परिसर ईरान के सर्वोच्च नेता का मुख्यालय है और इस्लामी गणराज्य में राजनीतिक और धार्मिक सत्ता का केंद्र माना जाता है।

नाइलिट-एडुने वर्ल्ड की साझेदारी, युवाओं को मिलेगा वैश्विक रोजगार का अवसर

नई दिल्ली (अरिमर्दन दुबे/दिव्य भारत)। भारत के युवाओं को वैश्विक स्तर पर रोजगार के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत कार्यरत राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) और एडुने वर्ल्ड ने एक रणनीतिक समझौता (एमओयू) किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य युवाओं को आधुनिक तकनीकी कौशल, डिजिटल साक्षरता और विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण देकर उन्हें देश-विदेश में रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

नई दिल्ली स्थित नाइलिट के कॉर्पोरेट कार्यालय में दोनों संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुए इस समझौते को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के विजन की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

इसके तहत भारतीय युवाओं को तकनीकी दक्षता के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय कार्य संस्कृति और विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि वे वैश्विक रोजगार बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार हो सकें।

इस अवसर पर नाइलिट के महानिदेशक डॉ. एम.एम. त्रिपाठी ने कहा कि देश के प्रत्येक युवा तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल विकास की पहुंच सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल स्किलिंग के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और युवाओं का पलायन भी कम होगा।

वहीं एडुने वर्ल्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) केतन सिन्हा ने कहा कि उनकी संस्था भारतीय युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि नाइलिट के सहयोग से ऐसा मजबूत प्रशिक्षण तंत्र विकसित किया जाएगा, जो युवाओं को आधुनिक तकनीकी शिक्षा, विदेशी भाषाओं का ज्ञान, करियर काउंसलिंग तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्लेसमेंट सहायता उपलब्ध कराएगा।

समझौते के तहत युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सुरक्षा, डेटा एनालिटिक्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) जैसी उभरती तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही विदेशी भाषाओं का शिक्षण, करियर मार्गदर्शन, इंटर्नशिप और प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

दोनों संस्थाएं नाइलिट डिजिटल यूनिवर्सिटी के ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म को भी संयुक्त रूप से बढ़ावा देंगी, जिससे देशभर के युवाओं को कहीं से भी आधुनिक तकनीकी शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह साझेदारी भारत को वैश्विक स्तर पर कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाले प्रमुख देशों में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

स्मार्ट भारतबिन अभियान से स्वच्छ भारत मिशन को मिलेगी नई गति : रामदास आठवले

नई दिल्ली/ (दिव्य भारत ब्यूरो)। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री तथा रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले ने कहा कि स्मार्ट भारतबिन अभियान स्वच्छ भारत मिशन को नई गति देने के साथ नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करेगा।

उन्होंने यह बात 100 स्मार्ट भारतबिन स्थापना अभियान के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही।

आठवले ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामाजिक दायित्व है।

तकनीक आधारित पहलें सार्वजनिक स्थानों को अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक सार्वजनिक सुविधाओं का विशेष योगदान होगा।

केंद्रीय मंत्री ने हेल्प इंडिया फाउंडेशन, भारतबिन और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान राजधानी दिल्ली को अधिक स्वच्छ, हरित और आधुनिक बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों, युवाओं और नागरिकों से इस अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक जनआंदोलन का रूप देने का आह्वान किया।

केंद्रीय राज्य मंत्री के बेटे को जमानत

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलंगाना हाई कोर्ट ने गुरुवार को केंद्रीय राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार के बेटे बंदी भागीरथ को पॉक्सो मामले में सशर्त बेल दे दी है।

हाई कोर्ट ने पोक्सो केसमें बंदी भागीरथ को रेगुलर बेल दे दी है। इसके लिए उन्हें 1 लाख रुपये और दो जमानतदार देने होंगे, साथ ही कुछ अन्य शर्तें भी पूरी करनी होंगी।

कोर्ट ने आरोपी को निर्देश दिया कि वह गवाहों को प्रभावित न करे और न ही जांच में कोई दखल दे।

पॉक्सो मामले में है आरोपी

बंदी भागीरथ अभी चेर्लापल्ली सेंट्रल जेल में बंद हैं, कोर्ट से जमानत मिलने के बाद अब उसे रिहा किया जाएगा।

बंदी भागीरथ के खिलाफ पेट बशीरबाद पुलिस थाने में पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। इससे पहले तेलंगाना हाईकोर्ट ने 15 मई की रात को बंदी भागीरथ को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा देने से इनकार कर दिया था।

आज का इतिहास

- 1246: नसीरुद्दीन मु. शाह दिल्ली की गद्दी पर आसीन हुआ।
- 1553: मात्र 15 साल की उम्र में लेडी जेन ग्रे इंग्लैंड की रानी बनीं। वह केवल नौ दिन तक ही इस पद रहीं इसलिए उन्हें नौ दिन की रानी के नाम से भी जाना जाता है।
- 1624: हॉलैंड और फ्रांस के बीच स्पेन विरोधी संधि पर हस्ताक्षर।
- 1806: वेल्लोर में भारतीय सिपाहियों ने अंग्रेजों के खिलाफ पहला विद्रोह किया था।
- 1848: न्यूयॉर्क और शिकागो के बीच पहला टेलीग्राफ लिंक शुरू।
- 1856: निकोला टेस्ला का जन्म हुआ।

बढ़ेगी ताकत इंडो-पैसिफिक में भारत की समुद्री सुरक्षा क्षमता को मिलेगी नई मजबूती

कल समंदर में उतरेगा भारत का एक और महाबली

रडार बन जाएगा कबाड़

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय नौसेना शनिवार 11 जुलाई को अपनी समुद्री ताकत में एक और बड़ा इजाफा करने जा रही है। इस दिन विशाखापट्टनम में स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस महेंद्रगिरि को औपचारिक रूप से नौसेना के बेड़े में शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही जुलाई के दौरान पनडुब्बी रोधी युद्ध (एंटी-सबमरीन वॉरफेयर) वॉरशिप आईएनएस मालवन का भी कमीशनिंग कार्यक्रम प्रस्तावित है।

इन दोनों युद्धपोतों के शामिल होने से हिंद महासागर क्षेत्र और व्यापक इंडो-पैसिफिक में भारत की समुद्री सुरक्षा क्षमता को नई मजबूती मिलेगी। स्टील्थ होने की वजह से आईएनएस महेंद्रगिरि रडार को धता बताते हुए मिशन को अंजाम देने में सक्षम है। यह भारत के स्वदेशी युद्धपोत निर्माण कार्यक्रम और आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। आईएनएस महेंद्रगिरि प्रोजेक्ट 17-ए के तहत निर्मित छठी स्टील्थ फ्रिगेट है।

इस प्रोजेक्ट के युद्धपोतों को भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है, जबकि इसका निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने किया है। यह युद्धपोत अत्याधुनिक स्टील्थ तकनीक से लैस है, जिससे दुश्मन के रडार पर इसकी पहचान करना बेहद कठिन हो जाता है। करीब 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी तकनीक और उपकरणों से निर्मित महेंद्रगिरि भारत के डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग की बढ़ती क्षमता का भी प्रतीक है. इसमें आधुनिक मिसाइल सिस्टम, पनडुब्बी रोधी हथियार, एडवांस इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम और अत्याधुनिक सेंसर लगाए गए हैं।

क्या है स्टील्थ तकनीक

स्टील्थ एक ऐसी रक्षा तकनीक है, जिसका उपयोग करके विमानों, युद्धपोतों, पनडुब्बियों और मिसाइलों को दुश्मन के रडार, इन्फ्रारेड (आईआर) और सोनार की पकड़ से छिपाकर लगभग अदृश्य बनाया जाता है।

हिन्द महासागर में चीन पर नकेल: महेंद्रगिरि और मालवन जैसे अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म भारतीय नौसेना को भविष्य की समुद्री चुनौतियों से निपटने में अधिक सक्षम बनाएंगे। साथ ही हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक मौजूदगी और समुद्री हितों की सुरक्षा को भी नई मजबूती मिलेगी। नौसेना ने कुछ महीनों में अपने बेड़े में कई वॉरशिप को शामिल किए है। हिन्द महासागर में चीन की बढ़ती गतिविधियों पर नकेल कसने के लिहाज से इस कदम को अहम माना जा रहा है।

चीन: जूता फैक्ट्री में लगी आग, 28 लोगों की मौत

● बीजिंग / (एजेंसी)

चीन के जिनजियांग शहर में गुरुवार को जूतों की फैक्ट्री में भीषण आग लगने से 28 लोगों की मौत हो गई।

घटना के वीडियो में इमारत और उसके आसपास की आग की लपटें उठती हुई दिख रही हैं। आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने आग लगने के बाद बचाव और राहत कार्यों के लिए संयुक्त कार्य दल पूर्वी चीन के फुजियान प्रांत के जिनजियांग शहर भेज दिए हैं। मंत्रालय ने बताया कि आग दोपहर करीब 12 बजे लगी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अफसरों को तलाश और बचाव अभियानों में हरसंभव प्रयास करने, घटना का कारण पता लगाने और जवाबदेही तय करने का निर्देश दिया है।

जिनपिंग ने दिए सख्त आदेश- जिनपिंग ने घटना की तेजी से जांच करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करने का आदेश दिया।

संपादकीय

निजी स्कूलों का सम्मोहन फिक्र की बात

तमाम विसंगतियों, संसाधनों की कमी, शिक्षकों का पर्याप्त संख्या में न होना तथा समय के साथ कदमताल न कर पाने वाले सरकारी स्कूलों से छात्रों का मोहभंग होना बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। देशभर में स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं, छात्रों के प्रवेश व शिक्षकों के आंकड़ों पर नजर रखने वाले केंद्र के आंकड़ों से पुष्टि हुई कि छात्र सरकारी स्कूलों के विमुख हो रहे हैं और लगातार निजी स्कूलों की ओर रुख कर रहे हैं।

आंकड़े बताते हैं कि बीते दो सालों में लगभग 86 लाख छात्र सरकारी स्कूल छोड़कर चले गए। वहीं इसी दौरान प्राइवेट तथा बिना सरकारी मदद वाले मान्यता प्राप्त स्कूलों में 88 लाख नए छात्र शामिल हुए हैं। ह्ययूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस के अनुसार शुरूआती कक्षा से सेकेंडरी स्तर तक स्कूल में दाखिले में कमी देखी गई है। जो संख्या साल 2023-24 के 24.8 करोड़ से घटकर साल 2025-26 में 24.72 करोड़ हो गई है। वहीं दूसरी ओर सरकारी स्कूलों में दाखिले तेजी से घटकर 12.75 करोड़ से 11.89 करोड़ हो गए हैं। वैसे ये आंकड़े यह भी बताते हैं कि तमाम कमियों और घटती लोकप्रियता के बावजूद सरकारी स्कूल ज्यादतर लोगों की पहली पसंद बने हुए हैं।

निस्संदेह, ऐसे में सरकारों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने के लिये गंभीर प्रयास किए जाएं। यह हकीकत है कि जमीनी स्थिति के आधार पर कहा जा सकता है कि अभी तक अच्छी शिक्षा की गुणवत्ता का वायदा पूरा नहीं हो पाया है। हाल ही में सामने आए आंकड़ों का एक सकारात्मक पक्ष यह है कि सेकेंडरी स्तर पर स्कूल छोड़ने वालों की संख्या में कुछ कमी जरूर आई है।

वहीं दूसरी ओर शून्य दाखिले वाले स्कूलों की संख्या 12,954 से घटकर 5,663 हो गई है। इसके साथ ही एक शिक्षक वाले स्कूलों की संख्या 1.11 लाख से घटकर 1.01 लाख हो गई है। दूसरी तरफ अब शिक्षकों की कुल संख्या 1.03 करोड़ है, जिसके चलते छात्र-शिक्षक अनुपात 25 से घटकर 24 हो गया है। वहीं लड़कियों की भागीदारी भी बढ़कर 48.4 होना उत्साहवर्धक कहा जा सकता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि स्कूलों में दिव्यांग छात्रों के लिये संरचनात्मक सुविधाएं, छात्राओं के लिये शौचालय, हाथ धोने तथा पीने के पानी की व्यवस्था में उत्साहजनक सुधार हुआ है। हालांकि, जमीनी स्तर पर दावों की हकीकत तार्किक कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए। सही मायने में किसी सुविधा का उपलब्ध होना और उसका सही तरीके से इस्तेमाल होना दो अलग चीजें हैं।

लेकिन देश के नीति-नियंताओं को समझना चाहिए कि समाज में जिस वर्ग को शिक्षा की अधिक आवश्यकता है, वही सरकारी स्कूलों पर अधिक निर्भर है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग भी अपनी मजबूरी के चलते सरकारी स्कूलों की ओर रुख करता है।

इसके बावजूद कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर गाहे-बगाहे सवाल उठाए जाते रहे हैं। सवाल यह भी है कि जब आजादी के बाद संविधान निमार्ताओं ने हर बच्चे को अनिवार्य रूप से निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने को कहा था तो आजादी के बाद के शुरूआती दशकों में शिक्षा के ये लक्ष्य हासिल क्यों नहीं किए गए? यदि तब केंद्र व राज्य सरकारों ने सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने के लिये ईमानदार प्रयास किए होते और पर्याप्त वित्तीय साधन उपलब्ध कराये होते तो आज लोगों को सरकारी स्कूलों से मोहभंग न हो रहा होता।

यदि संपन्न वर्ग, अधिकारियों के बच्चे और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चे एक साथ सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे होते तो शिक्षा जगत में आज व्याप्त गहरी विसंगति की खाई दूर हो जाती।

हमारे तंत्र द्वारा सरकारी स्कूलों में सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रति उदासीनता दिखाने, शिक्षकों को गाहे-बगाहे गैर शैक्षिक कार्यों में लगाने और समय रहते पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति न करने से स्थितियां विकट हुई हैं। यह विडंबना ही कही जाएगी कि सत्तर के दशक में शिक्षा के उन्नयन के लिये गठित कोठारी आयोग की वह सिफारिश आज भी धूल फांक रही है, जिसमें शिक्षा पर देश के जीडीपी का छह प्रतिशत खर्च करने का सुझाव दिया गया था। आर्थिक तंगी से सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता व साख पर आंच आई है।

मानसिक स्वास्थ्य : उच्च शिक्षा का नया दायित्व और संवेदनशील परिसर की आवश्यकता

डॉ. जय प्रकाश शुक्ल

उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करना नहीं है, बल्कि उन्हें मानसिक, सामाजिक और नैतिक रूप से सक्षम नागरिक बनाना भी है। आज प्रतिस्पर्धा, कैरियर की अनिश्चितता, पारिवारिक अपेक्षाएँ, सामाजिक दबाव, डिजिटल जीवनशैली और बदलती जीवन परिस्थितियों के कारण विद्यार्थियों में मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे समय में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को शिक्षा व्यवस्था के केंद्र में रखना समय की आवश्यकता बन गया है।

मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को लेकर प्रारंभ की गई पहल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में प्राध्यापकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण देकर उन्हें अधिक संवेदनशील बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहल इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि विद्यार्थी अपने जीवन का बड़ा हिस्सा शिक्षण संस्थानों में व्यतीत करते हैं और कठिन परिस्थितियों में सबसे पहले उनका संपर्क अपने शिक्षकों एवं संस्थान से ही होता है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निदेशों के अनुरूप मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को संस्थागत स्वरूप देना उच्च शिक्षा की बदलती प्राथमिकताओं का परिचायक है। अब यह आवश्यक हो गया है कि प्रत्येक विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में ऐसा वातावरण विकसित हो, जहाँ विद्यार्थी बिना किसी संकोच के अपनी समस्याएँ साझा कर सकें और उन्हें समय पर उचित मार्गदर्शन एवं परामर्श प्राप्त हो।

नए शैक्षणिक सत्र के इंडक्शन कार्यक्रमों में मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, समय प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन, सकारात्मक सोच, जीवन कौशल, साइबर सुरक्षा, एंटी-रैगिंग व्यवस्था और मेंटर-मेंटी प्रणाली जैसे विषयों को शामिल करना विद्यार्थियों के समग्र विकास की दिशा में दूरदर्शी पहल है।

इससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे चुनौतियों का सामना अधिक संतुलित ढंग से कर सकेंगे।

मानसिक स्वास्थ्य केवल चिकित्सकीय विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संवेदनशीलता, संवाद और सहयोग की संस्कृति से भी जुड़ा हुआ है।

यदि शिक्षक, कर्मचारी, अभिभावक और विद्यार्थी मिलकर विश्वास, सम्मान और सहयोग का वातावरण तैयार करें, तो अनेक मानसिक समस्याओं को प्रारंभिक स्तर पर ही रोका जा सकता है।

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय सहित प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम इस बात का संकेत हैं कि अब उच्च शिक्षा केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र कल्याण को भी समान महत्व दिया जा रहा है। यह परिवर्तन भविष्य के स्वस्थ, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मानसिक रूप से स्वस्थ विद्यार्थी ही रचनात्मक समाज, सक्षम राष्ट्र और विकसित भारत की मजबूत नींव रख सकते हैं। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य को शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न अंग बनाना केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी भी है।

डीपफेक बनाम आप: एआई के झूठ को पहचानने और बचने के उपाय

मनीष कुमार सिंह

एआई के इस दौर ने जहाँ अनगिनत सुविधाएँ दी हैं, वहीं डीपफेक के रूप में गंभीर चुनौती भी खड़ी कर दी है। देश के शीर्ष राजनेता, फि ल्मी सितारे और खिलाड़ी तक इसकी चपेट में आ चुके हैं। जब सबसे बड़े नाम ही सुरक्षित नहीं तो आम आदमी की क्या बिसात? आजकल व्हाट्सएप पर ऐसे वीडियो भी खूब घूम रहे हैं जिनमें कोई प्रसिद्ध अभिनेता या क्रिकेटर पैसा दोगुना करने वाली योजना की गारंटी देता दिखता है। चेहरा असली, आवाज असली, अंदाज भी असली लेकिन पूरा वीडियो झूठा। इसी धोखे का नाम है डीपफेक और यह अब किसी फि ल्मी कहानी की बात नहीं रही। यह आम आदमी के फोन तक पहुँच चुका है।

डीपफेक शब्द अंग्रेजी के डीप लर्निंग और फेक को जोड़कर बना है। सरल भाषा में कहें तो यह एआई की वह तकनीक है जो किसी व्यक्ति के ढेर सारे चित्रों और आवाज के नमूनों से सीखकर उसका हूबहू नकली चेहरा और नकली आवाज गढ़ देती है। कुछ साल पहले तक ऐसा करने के लिए महंगे स्टूडियो और विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती थी। आज मोबाइल के मामूली ऐप यह काम मिनटों में कर देते हैं। यहाँ यह समझना जरूरी है कि तकनीक अपने आप में बुरी नहीं होती। इसी तकनीक से फि ल्मों की डबिंग सुधर रही है और इतिहास के पात्र कक्षाओं में जीवंत हो रहे हैं। असली समस्या उन लोगों की नीयत है जो इसका इस्तेमाल ठगी और बदनामी के लिए कर रहे हैं।

दुरुपयोग के किस्से अब रोज अखबारों में छप रहे हैं। कहीं परिजन की नकली आवाज में पैसे माँगे जा रहे हैं, कहीं मशहूर हस्तियों के नाम पर नकली निवेश विज्ञापन चल रहे हैं। महिलाओं की तस्वीरों से छेड़छाड़ करके उन्हें बदनाम किया जा रहा है। चुनावों के समय नेताओं के मुँह से ऐसी बातें कहलवाई जाती हैं जो उन्होंने कभी कही ही नहीं। सबसे आसान निशाना वे लोग बनते हैं जो तकनीक की दुनिया से कम परिचित हैं, फिर चाहे वे कितने ही पढ़े-लिखे क्यों न हों। भारत में सस्ता इंटरनेट घर-घर पहुँच चुका है और बिना पढ़े आगे बढ़ा देना हमारी आदत बन गई है। ऐसे में यह झूठ जंगल की आग की तरह फैलता है।

अब सवाल यह है कि बचा कैसे जाए। सबसे पहला और सबसे कारगर उपाय है रुकना। जो सामग्री देखते ही आपको गुस्से, डर या लालच से भर दे, समझ लीजिए कि वह इसी मकसद से

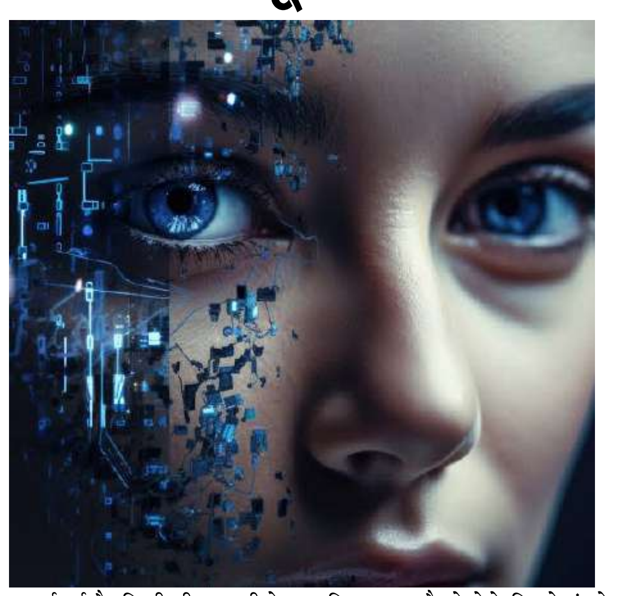

बनाई गई है। किसी भी सनसनीखेज वीडियो को आगे बढ़ाने से पहले खुद से तीन सवाल पूछिए- इसे पोस्ट किसने किया है? क्या यह किसी आधिकारिक या भरोसेमंद स्त्रोत से आया है? क्या किसी प्रतिष्ठित समाचार संस्था ने इसकी पुष्टि की है?

थोड़ा ध्यान से देखने पर डीपफेक अक्सर अपनी पोल खुद खोल देता है। ऐसे वीडियो में पलकों का झपकना अस्वाभाविक लगता है। होंठों की हरकत और आवाज का तालमेल बिगड़ा रहता है। चेहरे के किनारे धुंधले दिखते हैं और रोशनी तथा छाया आपस में मेल नहीं खातीं। कान, बाल या गहनों के आसपास अजीब-सी विकृति नजर आती है। नकली आवाज भी सपाट लहजे, साँसों की कमी और बेतुके ठहराव से पकड़ में आ जाती है। हालाँकि तकनीक सुधरने के साथ ये कमियाँ घटती जा रही हैं इसलिए केवल आँखों पर भरोसा काफी नहीं। गूगल लेंस जैसी सुविधा से किसी तस्वीर का असली स्त्रोत खोजा जा सकता है और पी.आई.बी. फैक्ट चेक जैसी सेवाओं से वायरल दावों की जाँच हो सकती है। सबसे जरूरी बात, अगर कोई परिजन फोन पर पैसे माँगे तो उसके जाने-पहचाने नंबर पर वापस कॉल करके या वीडियो कॉल से पुष्टि कर लीजिए। परिवार में आपस में एक गुप्त कोड शब्द तय रखना भी आज के समय की समझदारी है।

अपनी डिजिटल सुरक्षा पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों और वीडियो की प्राइवेसी सेटिंग सीमित रखिए ताकि अनजान लोग उन तक न पहुँच सकें। अपनी या अपने बच्चों की हर छोटी-बड़ी तस्वीर सार्वजनिक रूप से डालने से पहले एक बार सोच लीजिए क्योंकि यही तस्वीरें डीपफेक बनाने वालों के लिए स्त्रोत का काम करती हैं। अनजान नंबर से आए कॉल पर लंबी बातचीत से बचिए क्योंकि ठग आपकी आवाज के नमूने रिकॉर्ड कर सकते हैं। और ओ.टी.पी. या बैंक विवरण तो किसी भी हालत में साझा न करें, चाहे सामने वाली आवाज कितनी भी अपनी क्यों न लगे।

फिर भी अगर कभी ठगी हो जाए तो घबराने की बजाय तुरंत कदम उठाइए। पैसों की धोखाधड़ी होने पर साइबर हेल्पलाइन 1930 पर फौरन कॉल कीजिए।

जितनी जल्दी सूचना देंगे, रकम रुकने की संभावना उतनी ही ज्यादा रहती है। राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल cybercrime.gov.in पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज हो सकती है और नजदीकी थाने में भी रिपोर्ट लिखाई जा सकती है। हमारे कानूनों में पहचान की चोरी और छेड़छाड़ की गई सामग्री फैलाने पर सजा का प्रावधान है और शिकायत मिलने पर सोशल मीडिया कंपनियाँ भी ऐसी सामग्री हटाने के लिए बाध्य हैं।

सच पूछिए तो हर दौर में झूठ ने नए रूप धरे हैं और समाज ने परख के नए तरीके सीखे हैं। जब नकली नोट आए तो हमने असली की पहचान करना सीख लिया। अब नकली चेहरे और नकली आवाजें आई हैं तो हमें डिजिटल परख सीखनी होगी। बात बस इतनी-सी है कि जो देखें उस पर सोचें, जो सोचें उसे जाँचें और जाँचने के बाद ही मानें या आगे बढ़ाएँ। एआई का झूठ तभी जीतता है जब हम बिना सोचे यकीन कर लेते हैं। तकनीक चाहे कितनी भी चतुर हो जाए, एक सतर्क और विवेकशील नागरिक से बड़ी उसकी कोई काट नहीं है। (लेखक, डेटा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ हैं।)

छात्रशक्ति से राष्ट्रशक्ति में परिणीति के 78 वर्ष

अंकित शुक्ल

भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षा को केवल जीविकोपार्जन का साधन नहीं अपितु चरित्र निर्माण, समाजोत्थान व राष्ट्र चेतना का आधार माना गया है। हमारे ग्रंथों में वर्णित है-विद्या ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम पात्रत्वात धनमाप्नोति, धनात धर्मम ततः सुखम।।

इसी महान शिक्षा दृष्टि को आधुनिक भारत के विद्यार्थी जीवन में मूर्त रूप देने का कार्य अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने किया- देह तो थी, ध्येय परिषद ने दिया। यह केवल एक पंक्ति नहीं बल्कि उन लाखों युवाओं की अनुभूति है जिन्होंने अपने छात्र जीवन को केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रखा बल्कि राष्ट्र पुनर्निर्माण का संकल्प लेकर स्वयं को समाज के लिए समर्पित किया। 9 जुलाई भारतीय छात्र आंदोलन के इतिहास में केवल एक तिथि भर नहीं अपितु एक ऐसे विचार की आरम्भ तिथि है जिसने विद्यार्थी जीवन को राष्ट्र जीवन के व्यापक संदर्भ से जोड़ने का अद्वितीय कार्य किया। इसी दिन 1949 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का विधिवत पंजीकरण हुआ और तब से लेकर आज तक परिषद निरंतर छात्रहित, समाजहित एवं राष्ट्रहित के त्रिवेणी संगम का प्रतीक बनी हुई है।

आज जब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपनी 78 वर्षों की गौरवगाथा का उत्सव मना रही है, तब यह केवल एक संगठन की स्थापना की वर्षगांठ नहीं, बल्कि भारत के विद्यार्थी आंदोलन की उस स्वर्णिम यात्रा का उत्सव है जिसने अनगिनत युवाओं को राष्ट्र सेवा का मार्ग दिखाया। विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन के रूप में स्थापित परिषद ने समय-समय पर यह सिद्ध किया है कि विद्यार्थी भविष्य का नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान का राष्ट्र निमार्ता है। भारत की स्वतंत्रता के तुरंत बाद राष्ट्र अनेक चुनौतियों से जूझ रहा था। शिक्षा व्यवस्था औपनिवेशिक मानसिकता से ग्रस्त थी, समाज दिशाहीनता का अनुभव कर रहा था और युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने वाला कोई व्यापक राष्ट्रीय मंच उपलब्ध नहीं था। ऐसे समय कुछ राष्ट्रनिष्ठ युवाओं ने यह अनुभव किया कि यदि भारत का भविष्य उज्ज्वल बनाना है तो विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण का सहभागी बनाना होगा। इसी चिंतन से परिषद का उदय हुआ। परिषद का ध्येय वाक्य ज्ञान, शील, एकता विद्यार्थियों की पहचान तथा उनकी अंतर्निहित सम्भावना का दूरदर्शी तत्व है। उस दौर में विद्यार्थियों के प्रति सकारात्मक मानसिकता की स्थापना

करते हुए परिषद ने नारा दिया छात्र शक्ति-राष्ट्र शक्ति, अतः राष्ट्र पुनर्निर्माण के कार्य का प्राथमिक आधार विद्यार्थी शक्ति का एकसूत्र होना है। इस यात्रा में परिषद की विशेषता यह भी रही कि उसने रचनात्मक आंदोलन के साथ देशकाल-परिस्थितियों के अनुसार राष्ट्र की विद्यार्थी शक्ति को दिशा देने के लिए वैविध्यपूर्ण गतिविधियों को अपना मूल स्वभाव बनाया। छात्र समस्याओं के समाधान से लेकर शिक्षा सुधार, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, ग्राम विकास, आपदा राहत, रक्तदान, सेवा बस्तियों में कार्य, महिला स्वावलंबन, पूर्वोत्तर भारत के साथ भावनात्मक एकात्म, सांस्कृतिक पुनर्जागरण तथा राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अनेक विषय परिषद की कार्ययोजना का हिस्सा बने। परिषद का विश्वास रहा कि परिवर्तन विरोध या विवाद से नहीं बल्कि सकारात्मक सृजन से आता है। यही उसका रचनात्मक दृष्टिकोण है। अभाविप की यात्रा केवल परिसरों तक सीमित नहीं रही। जब भी राष्ट्र के सामने संकट आया, परिषद के कार्यकर्ता सबसे आगे दिखाई दिए। कैंपस टू कम्युनिटी के माध्यम से परिसर में अध्ययनरत विद्यार्थियों को समाज में उनकी भूमिका का बोध कराने के लिये परिषद ने प्रभावी ढंग से कार्य किया। चाहे प्राकृतिक आपदाओं में राहत कार्य हों, सामाजिक जागरण के अभियान हों, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रयास हों अथवा शिक्षा के अधिकार और गुणवत्ता के लिए संघर्ष, हर क्षेत्र में परिषद ने अपने कार्यकताओं के माध्यम से समाज का विश्वास अर्जित किया। परिषद की एक विशेष पहचान उसके विविध आयामों व प्रकल्पों से भी बनती है। स्टूडेंट्स फॉर डेवलपमेंट (एसएफडी) के माध्यम से पर्यावरण और सतत विकास का विमर्श, स्टूडेंट्स फॉर सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों का सहयोग, राष्ट्रीय कला मंच के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं कला का संरक्षण, खेलो भारत के माध्यम से युवाओं में स्वस्थ जीवनशैली के आग्रह के साथ पारंपरिक खेलों का संरक्षण व संवर्धन से पूर्वोत्तर और भारत के अन्य स्थानों के बीच आत्मीय संवाद, थिंक इंडिया के माध्यम से अखिल भारतीय महत्व के संस्थानों से नेतृत्व का निर्माण, शोध के माध्यम से भारत आधारित अनुसंधान तथा सविष्कार के माध्यम से नवोन्मेष व उद्यमिता- ये सभी आयाम परिषद के व्यापक दृष्टिकोण को अभिव्यक्त करते हैं। इन 78 वर्षों में परिषद ने केवल संगठन का विस्तार नहीं किया बल्कि नेतृत्व की ऐसी परंपरा विकसित की जिसने समाज, शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, न्याय, उद्योग, मीडिया और राजनीति सहित अनेक क्षेत्रों को राष्ट्रनिष्ठ नेतृत्व प्रदान किया। परिषद की कार्यपद्धति व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की अवधारणा पर आधारित है। यहाँ कार्यकर्ता केवल कार्यक्रमों का सहभागी नहीं बनता बल्कि सेवा, अनुशासन, संगठन और नेतृत्व के संस्कार प्राप्त करता है। परिषद की सबसे बड़ी शक्ति उसकी वैचारिक स्पष्टता और संगठनात्मक अनुशासन है। समय बदलता रहा, परिस्थितियाँ बदलती रहीं लेकिन परिषद का मूल उद्देश्य नहीं बदला इसलिए राष्ट्र सर्वोपरि की भावना, विद्यार्थी-केंद्रित गतिविधियाँ और समाज परिवर्तन से राष्ट्र पुनर्निर्माण का लक्ष्य आज भी उसकी प्राथमिकता में है। यही कारण है कि लाखों विद्यार्थी हर वर्ष परिषद से जुड़कर स्वयं को एक बड़े राष्ट्रीय उद्देश्य का भागीदार बनाते हैं। आज नई शिक्षा नीति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल शिक्षा, स्टार्टअप संस्कृति, अनुसंधान, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का युग है। ऐसे समय में परिषद विद्यार्थियों को केवल रोजगार के लिए नहीं बल्कि उत्तरदायी नागरिक और सक्षम नेतृत्व के रूप में विकसित करने का कार्य कर रही है। शिक्षा को भारतीयता, नैतिकता और आधुनिकता से जोड़ने का जो प्रयास परिषद दशकों से करती रही है, वह आज और भी अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। अभाविप की अठहत्तर वर्षों की यात्रा अटूट पुरुषार्थ, राष्ट्रभक्ति तथा छात्रशक्ति से राष्ट्रशक्ति की परिणीति की जीवंत कथा है। आज आवश्यकता है कि देश का प्रत्येक विद्यार्थी केवल सफलता का स्वप्न न देखे बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व का बोध करते हुए राष्ट्र पुनर्निर्माण के इस महायज्ञ में अपनी आहुति प्रदान करे। *(लेखक, अभाविप से जुड़े हैं।)*

अन्नू कपूर की फिल्म उत्तर दा पुत्तर के गहरे संदेश को समझें

विवेक शुक्ला

प्रख्यात अभिनेता अन्नू कपूर अपने पुराने शहर दिल्ली में वापस आ गए हैं। अपनी नई कॉमेडी फिल्म उत्तर दा पुत्तर की शूटिंग के लिए वो दिल्ली की उन्हीं गलियों में घूम रहे हैं, जहां उन्होंने जवानी गुजारी थी। बंगाली मार्केट, मंडी हाउस, हैली रोड जैसी जगहें उनके दिल के बहुत करीब हैं। 1970 के दशक में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) में पढ़ते समय वो इन इलाकों में बहुत घूमा करते थे। अब इस फिल्म की टीम के साथ फिर से दिल्ली पहुंच गए हैं।

फिलहाल शूटिंग साउथ दिल्ली के एक घर में चल रही है। ब्रेक के समय अन्नू कपूर आराम से बैठे थे। उनके चेहरे पर वही गर्मजोशी भरी मुस्कान थी, जो दर्शक दशकों से देखते आ रहे हैं। फिल्म का पोस्टर पहले ही लोगों का ध्यान खींच रहा है। इसमें अन्नू कपूर एक टॉयलेट पर बैठे दिख रहे हैं, जो एक बड़े वास्तु चक्र के ऊपर रखा है। वो हाथ से उत्तर दिशा की तरफ इशारा कर रहे हैं। आसपास बाकी कलाकार मस्ती कर रहे हैं। उनका हैरान-खुश चेहरा फिल्म की हल्की-फुल्की मूड को बखूबी दिखाता है।

फिल्म में अन्नू कपूर एक फिजिक्स टीचर का रोल निभा रहे हैं। वो आईआईटी एंट्रेंस की तैयारी कराते हैं। पढ़ाई में विज्ञान पर पूरा यकीन रखते हैं लेकिन वास्तु शास्त्र पर भी बहुत भरोसा करते हैं। उनका सबसे बड़ा सपना है कि एक परफेक्ट उत्तरमुखी घर बनाना। उन्हें लगता है कि ऐसा घर बन गया तो उनकी किस्मत बदल जाएगी। फिल्म में दिशाएं बदलते-बदलते उनके जीवन में मजेदार और प्यारे बदलाव आते हैं।

फिल्म के लेखक, निर्देशक और प्रोड्यूसर संदीप कपूर ने बताया कि ये कहानी दिल्ली, मुंबई और देश के बड़े महानगरों और शहरों के लोगों की है। अन्नू कपूर ने मुस्कुराते हुए कहा, ये फिल्म उन महत्वाकांक्षी लोगों के बारे में है, जो दिशा, तारे या घर के कमरे बदल कर जवाब ढूंढते हैं। लेकिन असली बदलाव तो अंदर से आता है।

अपने किरदार के बारे में उन्होंने बताया, मेरा किरदार वास्तु के सख्त नियमों और असली जिंदगी की उलझनों के बीच फंसा है। फिल्म इसे हंसी-मजाक के साथ दिखाती है। ये आस्था का मजाक नहीं उड़ाती। बस इतना कहती है कि वास्तु से घर में सुकून आ सकता है लेकिन असली बदलाव हमारे कर्म से आता है। यही बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद आई।

संदीप कपूर, जिन्होंने पहले जुगाड़, अनारकली ऑफ आरा और नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी फिल्म भोंसले बनाई है, कहते हैं, दिल्ली और दूसरे शहरों में बहुत से लोग सोचते हैं कि घर की दिशा ठीक कर देने से सब ठीक हो जाएगा। लेकिन मेहनत के महत्व को कम नहीं किया जा सकता है। फिल्म में उम्मीद, संघर्ष और छोटी-छोटी खुशियों की बात है।

फिल्म की शूटिंग दिल्ली की मशहूर जगहों पर हुई है जैसे कुतुब मीनार, करोल बाग का 108 फीट ऊंचा हनुमान मंदिर, कनॉट प्लेस और इंडिया गेट।

फिल्म का मुख्य सवाल है- कर्म बड़ा या किस्मत? अन्नू कपूर कहते हैं, कर्म और किस्मत दुश्मन नहीं, साथी हैं। किस्मत मंच तैयार करती है लेकिन असली सफलता हमारे कर्म, मेहनत और रोज के फैसलों से मिलती है।

संदीप कपूर कहते हैं कि फिल्म उन करोड़ों लोगों का सम्मान करती है जो फर्नीचर घुमाते हैं या पंडित जी से सलाह लेते हैं। लेकिन ये भी बताती है कि असली शांति तब मिलती है जब आस्था और मेहनत दोनों साथ चलें। फिल्म हल्की-फुल्की, थोड़ी चुटकुलेदार बनी है।

अन्नू कपूर ने सबको निमंत्रण दिया है, 24 जुलाई 2026 को फिल्म रिलीज हो रही है। प्लीज आकर देखना। हंसते हुए घर जाना और थोड़ा अपने जीवन के बारे में भी सोचना। ये कोई भारी-भरकम लेक्चर नहीं है। बस इतना कहती है कि दिशा ठीक कर लो अगर मदद करती है लेकिन खुद पर काम करना कभी मत भूलना।

उत्तर दा पुत्तर हंसी, गर्मजोशी और थोड़ी-सी समझदारी के साथ बनी फिल्म है। इस फिल्म से दर्शकों को मनोरंजन के साथ कुछ सोचने को भी मिलेगा।

ईरान-अमेरिका समझौता टूटा -बढ़ती महंगाई का आघात

एडवोकेट किशन सनमुखदास

गोंदिया- वैश्विक स्तर पर इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक विश्व अर्थव्यवस्था के लिए जितना अवसरों का युग सिद्ध हो रहा है, उतना ही अनिश्चितताओं औरबहुआयामी चुनौतियों का भी। कोविड-19 महामारी के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था ने पुनरुद्धार की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए, लेकिन रूस-यूक्रेन संघर्ष, ईरान अमेरिका युद्ध पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, समुद्री व्यापार मार्गों पर सुरक्षा संबंधी जोखिम, ऊर्जा बाजार में अस्थिरता तथा विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों की सख्त मौद्रिक नीतियों ने विश्व आर्थिक व्यवस्था को फिर से कठिन मोड़ पर ला खड़ा किया है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आज महंगाई केवल किसी एक देश की घरेलू समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक वैश्विक आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौती बन चुकी है, जिसका प्रभाव विकसित और विकासशील दोनों प्रकार की अर्थव्यवस्थाओं पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। ईरान अमेरिका समझौता टूटने से आज 9 जुलाई 2026 को दोनों ने एक दूसरे के ऊपर भयंकर हमले किए हैं, स्पष्ट है कि अमेरिका-ईरान तनाव केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है, बल्कि उसका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, महंगाई, वित्तीय

बाजारों और भारत जैसे उभरते देशों की विकास यात्रा पर पड़ता है। इसलिए भारत के लिए समय की मांग केवल तात्कालिक संकट प्रबंधन नहीं, बल्कि ऐसी दीर्घकालिक आर्थिक और कूटनीतिक रणनीति तैयार करना है जो बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भी देश की विकास गति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को बनाए रख सके। भारत इस वैश्विक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण इन घटनाक्रमों से अछूता नहीं रह सकता।भारत विश्व के सबसे बड़े कच्चा तेल आयात करने वाले देशों में शामिल है। देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में थोड़ी-सी वृद्धि भी भारत के आयात बिल, व्यापार घाटे और राजकोषीय संतुलन को प्रभावित कर सकती है।यदि तेल महंगा होता है तो परिवहन लागत बढ़ती है, उद्योगों का उत्पादन महंगा होता है, कृषि क्षेत्र में डीजल और उर्वरकों का खर्च बढ़ता है तथा अंततः खाद्य वस्तुओं और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम बढ़ने लगते हैं। यही वह श्रृंखला है, जो महंगाई को केवल आर्थिक शब्द नहीं रहने देती, बल्कि प्रत्येक परिवार के मासिक बजट और जीवन स्तर से सीधे जोड़ देती है।

साथियों, कृषि क्षेत्र भी इन वैश्विक परिस्थितियों से पूरी तरह अछूता नहीं है। भारत कृषि प्रधान देश है, लेकिन खेती में डीजल, उर्वरक, सिंचाई, परिवहन और भंडारण की लागत लगातार बढ़ने पर किसानों की उत्पादन लागत बढ़ जाती है। यदि मौसम की अनिश्चितता भी साथ जुड़ जाए, तो खाद्यान्न उत्पादन और आपूर्ति दोनों प्रभावित हो सकते हैं। इससे खाद्य महंगाई बढ़ने की संभावना रहती है, जिसका सीधा प्रभाव आम नागरिकों की रसोई पर पड़ता है।

यही कारण है कि खाद्य सुरक्षा, कृषि सुधार आधुनिक भंडारण व्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाना आज केवल कृषि नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक नीति का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।

साथियों, महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव निश्चित आय वाले वर्ग पर पड़ता है। मध्यम वर्ग, वेतनभोगी कर्मचारी, पेंशनभोगी, छोटे व्यापारी और निम्न आय वर्ग के परिवार तब सबसे अधिक प्रभावित होते हैं, जब उनकी आय की तुलना में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं।भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, बिजली, गैस और आवास जैसी बुनियादी आवश्यकताओं पर होने वाला खर्च परिवारों के मासिक बजट को असंतुलित कर देता है। यदि ब्याज दरें भी ऊँची बनी रहती हैं तो गृह ऋण, वाहन ऋण और व्यापारिक ऋण की मासिक किस्तें बढ़ सकती हैं। इस प्रकार महंगाई केवल आर्थि सूचकांक नहीं रहती, बल्कि प्रत्येकपरिवार के जीवन स्तर और भविष्य की योजनाओं को प्रभावित करने वाला वास्तविक सामाजिक प्रश्न बन जाती है।

साथियों, आज विश्व व्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहाँ आर्थिक शक्ति, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी श्रेष्ठता और भू-राजनीतिक प्रभाव एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। अमेरिका अपनी मौद्रिक नीति, तकनीकी नवाचार और डॉलर की वैश्विक भूमिका के माध्यम से आर्थिक नेतृत्व बनाए रखने का प्रयास कर रहा है।चीन विनिर्माण, निर्यात, दुर्लभ खनिजों, हरित प्रौद्योगिकी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर कार्य कर रहा है।यूरोपीय संघ ऊर्जा विविधीकरण हरित अर्थव्यवस्था और डिजिटल परिवर्तन पर बल दे रहा है, जबकि जापान तकनीकी नवाचार, उच्च उत्पादकता और ऊर्जा दक्षता के माध्यम से अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। इन परिस्थितियों में भारत केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभर रहा है।

अपोलो हॉस्पिटल्स ने दुर्लभ ट्विन लिवर ट्रांसप्लांट की मदद से फिलिपिनो जुड़वाँ भाईयों को दिया नया जीवन

अपोलो दिल्ली में किए गए 645 बच्चों के लिवर ट्रांसप्लांट में यह पहला और ऐतिहासिक ट्विन लिवर ट्रांसप्लांट था

इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स, नई दिल्ली ने विश्व स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हॉस्पिटल में फिलीपींस के 23 महीने के जुड़वां भाईयों का लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट करके उनकी जान बचाई गई है। यह हॉस्पिटल में आज तक किए गए बच्चों के 645 लिवर ट्रांसप्लांट्स में पहला जुड़वां बच्चों का लिवर ट्रांसप्लांट है। ये जटिल सर्जरियाँ एक के बाद एक डॉ. अनुपम सिबल, ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर एवं सीनियर पीडियाट्रिक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट और डॉ. नीरव गोयल, सीनियर कंसल्टैंट एवं हेड ऑफ लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी के मार्गदर्शन में की गईं। इससे एडवांस्ड पीडियाट्रिक केयर में अपोलो की लीडरशिप प्रदर्शित होती है।

जुड़वां बच्चों, टायलर और केली का जन्म समय से पहले हो गया था। जन्म के समय उनका वजन केवल 2 किग्रा. और 2.4 किग्रा. था। इससे पहले भी उनके माता-पिता अपने एक बच्चे को खो चुके थे। इन जुड़वां बच्चों के जन्म के दो हफ्ते बाद ही उन दोनों को पीलिया हो गया और उन्हें पीले रंग का मल आने लगा। जाँच में सामने आया कि उन्हें एक जन्मजात बाइलियरी विकार कोलेडोकल सिस्ट टाईप 4ए था। इस जन्मजात विकार में बाईल डक्ट बहुत ज्यादा बड़ी हो जाती है और अगर समय पर इलाज न मिले, तो लिवर को गंभीर नुकसान पहुँचता है। इस विकार के कारण दोनों बच्चों का लिवर फेल हो गया। इसके बाद, इन जुड़वां बच्चों को बार-बार गैस्ट्रोइंटेस्टाईनल ब्लीडिंग होने लगी। पेट में फ्लुइड जमा होने लगा। उनका विकास ठीक से नहीं हो पा रहा था और उन्हें बार-बार हॉस्पिटल में भर्ती करना पड़ता था। डॉक्टरों की पूरी कोशिश के बाद भी उनकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। उनकी जान बचाने का एकमात्र विकल्प लिवर ट्रांसप्लांट था।

उनके सामने चुनौती केवल सर्जरी की नहीं थी। कुछ ही दिनों में दोनों भाईयों के ट्रांसप्लांट के लिए दो अनुकूल लिविंग डोनर तलाशना बहुत ही मुश्किल था। एक भाई के लिए बच्चों की माँ के लिवर का एक हिस्सा मिल गया, पर पिता लिवर डोनेट करने के लिए फिट नहीं पाए गए, इसलिए दूसरे बच्चे के लिए लिवर अभी भी नहीं मिल पाया था। फिर दूसरे बच्चे के लिए अपने लिवर का एक हिस्सा देने के लिए उनके मामा सामने आए, जिससे दोनों ट्रांसप्लांट संभव हो पाए। रिकवरी की पूरी प्रक्रिया में पिता ने अपनी पत्नी, दोनों बच्चों और उनके मामा की पूरी देखभाल की। टायलर के ट्रांसप्लांट की सर्जरी 15 घंटे से अधिक समय तक चली, वहीं केली की सर्जरी में 13 घंटे से अधिक समय लगा। दोनों सर्जरी में कॉम्प्लेक्स सर्जिकल रिकॉन्स्ट्रक्शन शामिल था। इन दोनों जुड़वां बच्चों ने अच्छी रिकवरी की और उनका लिवर अब स्वस्थ काम कर रहा है। फौलो-अप के दौरान दोनों बच्चे स्वस्थ हैं।

श्री शिवकुमार पट्टाभिरमन, मैनेजिंग डायरेक्टर, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा हर ट्रांसप्लांट के पीछे एक परिवार की उम्मीद छिपी होती है।

हम फिलीपींस के इस परिवार के आभारी हैं, जिन्होंने अपने बच्चों के इलाज के लिए हम पर भरोसा करके इतनी दूर यात्रा की। इलाज के नतीजे हमारी मल्टीडिसिप्लिनरी टीम की सामर्थ्य को प्रदर्शित करते हैं। अपोलो हॉस्पिटल मरीजों को जटिल मेडिकल समस्याओं के लिए आधुनिक और सहानुभूतिपूर्ण इलाज प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. अनुपम सिबल, ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर, अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप और सीनियर पीडियाट्रिक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट एवं हेपेटोलॉजिस्ट, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा जुड़वां बच्चों में लिवर ट्रांसप्लांट के मामले देखने में नहीं आते हैं, और दोनों बच्चों का एक ही समय लिवर ट्रांसप्लांट करने के मामले तो और भी ज्यादा कम होते हैं।

अपोलो हॉस्पिटल में हुए बच्चों के 645 लिवर ट्रांसप्लांट के इतिहास में जुड़वाँ बच्चों का ट्रांसप्लांट पहली बार किया गया है। ये दोनों बच्चे बहुत छोटे थे। इसलिए यह ट्रांसप्लांट और ज्यादा चुनौतीपूर्ण था। भारत में सन 1998 में अपोलो हॉस्पिटल दिल्ली में हुए पहले सफल लिवर ट्रांसप्लांट के बाद से लेकर अब तक हम कई जटिल ट्रांसप्लांट कर चुके हैं। हमने लिवर किडनी ट्रांसप्लांट किए हैं। 3.5 किलोग्राम के बच्चों में ट्रांसप्लांट किए हैं, तथा एबीओ इनकॉम्पेटिबल ट्रांसप्लांट भी किए हैं, जिनमें डोनर और रेसिपिएंट के ब्लड ग्रुप मैच नहीं करते हैं। केली और टायलर बॉर्न टुगैदर, फॉट टुगैदर और सेव्ड टुगैदर (एक साथ जन्म, एक साथ संघर्ष और एक साथ बचने) की शक्तिशाली मिसाल पेश करते हैं।

डॉ. नीरव गोयल, सीनियर कंसल्टैंट एवं हेड ऑफ लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा, ह्यह्यएक ही जन्मजात विकार के लिए जुड़वां भाईयों का लिवर ट्रांसप्लांट करने के मामले बहुत ही कम होते हैं। इस परिवार के साहस और प्यार ने उनकी कहानी का बहुत खास बना दिया है।

एक बच्चे को माँ ने अपना लिवर डोनेट किया। दूसरे बच्चे को उनके भाई ने अपना लिवर दिया। इस बलिदान ने दोनों बच्चों को जीवन का एक और मौका प्रदान किया। ये दोनों बच्चे स्वस्थ होकर हॉस्पिटल से वापस गए। उनके मुस्कुराते हुए चेहरे हमारा सबसे बड़ा इनाम हैं। ले. जन., डॉ. बिपिन पुरी, डायरेक्टर, मेडिकल सर्विसेज, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा हमने दिखा दिय है कि क्लिनिकल विशेषज्ञता, आधुनिक टेक्नोलॉजी और मल्टीडिसिप्लिनरी टीमवर्क की मदद से आधुनिक हैल्थकेयर द्वारा क्या संभव है। फिलिपींस के जुड़वां भाईयों का एक के बाद एक लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट न केवल हमारे ट्रांसप्लांट प्रोग्राम की असाधारण क्षमताओं को प्रदर्शित करता है, बल्कि यह दुनिया में सबसे जटिल मेडिकल स्थितियों को संभालने में भारत की बढ़ती लीडरशिप का भी उदाहरण है। यह एक उम्मीद की कहानी है, जिसमें समय पर इलाज, परिवार के अटूट सहयोग और समर्पित मेडिकल केयर ने दोनों बच्चों को जिंदगी जीने का एक और मौका दिया है। यह ट्विन लिवर ट्रांसप्लांट सफल बनाने वाली मल्टीडिसिप्लिनरी टीम में डॉ. अनुपम सिबल, डॉ. नीरव गोयल, डॉ. यज, डॉ. स्मिता, डॉ. श्रेया, डॉ. करुणेश, डॉ. रोहित (पीडियाट्रिक इंटेंसिविस्ट), डॉ. नमित, डॉ. अरुण वी, डॉ. वरुण एम, डॉ. प्रदीप के, डॉ. ऋग्वेद जी., डॉ. एस अनेजा (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) और डॉ. रैना (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) शामिल हैं।

उनका सहयोग समर्पित नर्सिंग और हैल्थकेयर टीमों द्वारा किया गया, जिनके तालमेल और विशेषज्ञता से इस जटिल मामले में सफल नतीजे मिल सके। यह मामला बच्चों में पीलिया और मल में पीलेपन के साथ शुरूआती लक्षणों को पहचानकर तुरंत मेडिकल इलाज प्रदान करने के महत्व को प्रदर्शित करता है। जन्मजात बाइलियरी गड़बड़ियों को पहचानकर समय पर विशेषज्ञ पीडियाट्रिक लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर को रेफर करके तुरंत इलाज संभव बनाया जा सकता है। इससे लिवर को खराब होने तथा स्थिति को जानलेवा होने से बचाने में मदद मिलती है। इससे मरीज के बचने और बेहतर जीवन पाने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

भारत में लॉन्च हुई दुनिया की पहली साप्ताहिक बेसल इंसुलिन अविक्ली

मधुमेह के रोगी को अब हफ्ते में सिर्फ एक इंजेक्शन लगेगी

मधुमेह के इलाज के क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव सामने आया है। दवा कंपनी नोवो नॉर्डिस्क इंडिया ने भारत में अविक्ली~ (इंसुलिन आइकोडेक) लॉन्च किया है जिसे दुनिया की पहली और अब तक की एकमात्र साप्ताहिक बेसल इंसुलिन बताया जा रहा है। यह दवा टाइप-1 और टाइप-2 मधुमेह से पीड़ित वयस्क मरीजों के लिए विकसित की गई है। कंपनी के अनुसार अब मरीजों को रोजाना इंसुलिन इंजेक्शन लेने की जरूरत नहीं होगी। अविक्ली~ के जरिए सप्ताह में केवल एक बार इंजेक्शन लेना होगा। इससे सालभर में इंसुलिन इंजेक्शन की संख्या 365 से घटकर सिर्फ 52 रह जाएगी, जिससे मरीजों के लिए उपचार पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हो जाएगा।

नोवो नॉर्डिस्क इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर विक्रांत श्रोत्रिय ने कहा कि अविक्ली~ का भारत में लॉन्च मधुमेह उपचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

उनका कहना है कि यह नई तकनीक इंसुलिन थेरेपी को अधिक सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाएगी तथा मरीजों में इंजेक्शन को लेकर होने वाले डर और झिझक को कम करने में मदद करेगी। कंपनी के मुताबिक ऑनवड्र्स-1 क्लिनिकल ट्रायल में अविक्ली~ ने पारंपरिक रोजाना दी जाने वाली बेसल इंसुलिन की तुलना में बेहतर ग्लूकोज नियंत्रण दिखाया। अध्ययन में मरीजों के एचबीए1सी स्तर में अधिक कमी और टाइम इन रेंज में सुधार दर्ज किया गया, जबकि सुरक्षा के स्तर पर भी संतोषजनक परिणाम मिले।इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल, नई दिल्ली के वरिष्ठ एंडोक्राइनोलॉजिस्ट *डॉ. एस.के. वांगनू ने कहा कि भारत में बड़ी संख्या में मरीज इंजेक्शन के डर और अन्य कारणों से समय पर इंसुलिन शुरू नहीं कर पाते।

साप्ताहिक बेसल इंसुलिन इस समस्या को काफी हद तक कम कर सकती है और मरीजों के लिए उपचार को आसान बना सकती है। भारत में मधुमेह की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार देश में 10 करोड़ से अधिक लोग मधुमेह से पीड़ित हैं, जबकि 13.6 करोड़ लोग प्रीडायबिटीज की श्रेणी में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर इंसुलिन उपचार शुरू न होने के कारण मरीजों में जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। कंपनी का दावा है कि अविक्ली~ का उपयोग फ्लेक्सटच~ डिवाइस के माध्यम से किया जाएगा, जो आसान और सटीक इंजेक्शन तकनीक के लिए जाना जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नई साप्ताहिक इंसुलिन भारत में मधुमेह प्रबंधन को अधिक प्रभावी और मरीजों के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91-9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1, New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

मुंबई में भारी बारिश के बीच लेप्टोस्पायरोसिस का खतरा बढ़ा

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने गुरुवार को नागरिकों से लेप्टोस्पायरोसिस से बचाव के उपाय करने का आग्रह किया। निगम ने चेतावनी दी कि मानसून के मौसम में खुले घावों के साथ बारिश के पानी या कीचड़ में चलने से संक्रमण का खतरा काफी बढ़ जाता है।

बारिश के पानी या कीचड़ से होकर गुजरे हैं, वे 24 से 72 घंटों के भीतर डॉक्टरी सलाह लें और बचाव की दवा लें

लेप्टोस्पायरोसिस एक गंभीर बीमारी है और समय पर पता न चलने और इलाज न होने पर यह जानलेवा हो सकती है

जन स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी में कहा, 'नगर निकाय ने उन लोगों से अपील की है, जो जमा हुए बारिश के पानी या कीचड़ से होकर गुजरे हैं, वे 24 से 72 घंटों के भीतर डॉक्टरी सलाह लें और बचाव की दवा लें।'

मुंबई में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण शहर के कई हिस्सों में जलजमाव हो गया है। बीएमसी ने कहा कि इस दौरान, जमा हुए या धीरे-धीरे बहने वाले पानी में चलने वाले लोगों को लेप्टोस्पायरोसिस होने का खतरा अधिक होता है, खासकर अगर उनके शरीर पर कट, घाव या मामूली खरोंच भी हो। निगम ने चेतावनी दी कि लेप्टोस्पायरोसिस एक गंभीर बीमारी है और समय पर पता न चलने और इलाज न होने पर यह जानलेवा हो सकती है।

जन स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, दूषित कीचड़ के साथ बारिश के पानी में लेप्टोस्पाइरा बैक्टीरिया (स्पाइरोकीट्स) हो सकते हैं, जो लेप्टोस्पायरोसिस का कारण बनते हैं। ये बैक्टीरिया त्वचा पर छोटे कट या खरोंच के माध्यम से भी शरीर में प्रवेश कर सकते हैं, जिससे संक्रमण हो सकता है। जो कोई भी बारिश के पानी या कीचड़ के संपर्क में आया हो, वह बिना देरी किए डॉक्टर से सलाह ले और बताई गई 24 से 72 घंटे की अवधि के भीतर बचाव की दवा ले।

नागरिकों से कहा ङगया है कि वे हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे क्लीनिक, बीएमसी डिस्पेंसरी, स्वास्थ्य केंद्रों और नगर निगम के अस्पतालों में जाएं, जहां डॉक्टरी सलाह, स्वास्थ्य जांच, मार्गदर्शन और बचाव की दवाएं मुफ्त में दी जा रही हैं। नगर निकाय ने निवासियों से यह भी आग्रह किया है कि वे परिवार के सदस्यों, दोस्तों और पड़ोसियों के बीच इस बीमारी और शुरुआती बचाव के इलाज के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाएं।

विभाग ने लोगों को मानसून के मौसम में बुखार को नजरअंदाज न करने की भी सलाह दी, क्योंकि यह लेप्टोस्पायरोसिस, डेंगू या मलेरिया का लक्षण हो सकता है। बुखार या अन्य संबंधित लक्षणों का अनुभव करने वाले निवासियों से आग्रह है कि वे खुद से इलाज करने के बजाय डॉक्टरी सलाह लें। बीएमसी ने बचाव के उपाय के तौर पर पैरों पर कट या घाव वाले नागरिकों को सलाह दी है कि वे जमा हुए पानी में चलने से बचें। अगर ऐसा करना जरूरी हो, तो उन्हें रबर के जूते या सुरक्षा वाले दूसरे जूते पहनने चाहिए। बारिश के पानी के संपर्क में आने के बाद, लोगों को संक्रमण का खतरा कम करने के लिए अपने पैर साबुन और साफ पानी से अच्छी तरह धोने चाहिए और उन्हें ठीक से सुखाना चाहिए।

एआई बना हाथियों का रक्षक

कोयंबटूर रेलवे ट्रैक पर ढाई साल में एक भी हाथी की मौत नहीं

कोयंबटूर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक ने वन्यजीव संरक्षण की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की है। कोयंबटूर के पास हाथियों के लिए संवेदनशील रेलवे ट्रैक पर लगाए गए एआई आधारित निगरानी सिस्टम की मदद से पिछले ढाई साल में एक भी हाथी की ट्रेन से टकराकर मौत नहीं हुई है। इस दौरान सिस्टम ने हजारों बार समय रहते अलर्ट जारी किए, जिससे ट्रेन चालकों को गति कम करने या ट्रेन रोकने का मौका मिला और कई बड़े हादसे टल गए।

यह एआई कैमरा नेटवर्क मदुक्करई वन क्षेत्र के पुथुपाथी गांव के पास रेलवे ट्रैक पर लगाया गया है। सिस्टम शुरू होने के बाद से अब तक हाथियों की आवाजाही के 7,100 से अधिक रियल-टाइम अलर्ट जारी किए जा चुके हैं। इन अलर्ट के आधार पर लोको पायलटों ने 3,280 से अधिक बार ट्रेनों की रफ्तार कम की या उन्हें रोका। इससे ट्रेन और हाथियों के बीच होने वाली टक्कर का खतरा काफी कम हो गया। यह परियोजना तमिलनाडु सरकार की उस पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राज्य के सबसे संवेदनशील वन्यजीव गलियारों में ट्रेन हादसों से होने वाली हाथियों की

मदुक्करई वन क्षेत्र के पुथुपाथी गांव के पास रेलवे ट्रैक पर लगाया गया है। सिस्टम शुरू होने के बाद से अब तक हाथियों की आवाजाही के 7,100 से अधिक रियल-टाइम अलर्ट जारी किए जा चुके हैं

मौत को पूरी तरह रोकना है।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस निगरानी व्यवस्था की बदौलत अब तक करीब 9,500 बार हाथियों ने सुरक्षित तरीके से रेलवे ट्रैक पार किया है। इस पूरी प्रणाली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, थर्मल इमेजिंग कैमरे और 24 घंटे मानव निगरानी का इस्तेमाल किया जाता है।

जैसे ही कैमरे रेलवे ट्रैक के पास किसी हाथी की मौजूदगी का पता लगाते हैं, तुरंत वन विभाग और रेलवे अधिकारियों को अलर्ट भेज दिया जाता है। इसके बाद वनकर्मी मौके पर पहुंचकर हाथियों को ट्रैक पर जाने से रोकते हैं और उन्हें सुरक्षित तरीके से रेलवे कॉरिडोर पार कराते हैं। इस परियोजना के लिए एक कंट्रोल एंड कमांड सेंटर 24 घंटे काम करता है। इसमें वन अधिकारी, फील्ड स्टाफ, ड्रोन ऑपरेटर और रेलवे कर्मचारी मिलकर हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखते हैं और जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई करते हैं। यह निगरानी प्रणाली रेलवे के संचार नेटवर्क से भी जुड़ी हुई है। जैसे ही अलर्ट मिलता है, आसपास के रेलवे स्टेशनों के स्टेशन मास्टर को तुरंत सूचना दी जाती है। इसके बाद वायरलेस संचार के जरिए लोको पायलटों को ट्रेन की गति कम करने या जरूरत पड़ने पर रोकने का निर्देश दिया जाता है।

'जूही मूई' नहीं बनेगा सास-बहू ड्रामा, ईशा सिंह ने जताया भरोसा

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने नए शो 'जूही मूई' को लेकर चर्चा में हैं। शो में वह एक ऑटिस्टिक लड़की जूही सूरी का किरदार निभा रही हैं, जिसकी सोच और प्रतिभा ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। ईशा ने कहा कि आज के दर्शक ऐसी कहानियां भी पसंद कर रहे हैं, जिनमें समाज से जुड़े मुद्दों को दिखाया जाता है। ईशा सिंह ने कई बार अलग सोच के साथ शुरू होने वाले शो बाद में सास-बहू ड्रामा में बदल जाते हैं। क्या 'जूही मूई' के साथ भी ऐसा होने की संभावना है, तो अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें ऐसा बिल्कुल नहीं लगता।

ईशा ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि इस शो के साथ ऐसा नहीं होगा,

क्योंकि इसकी कहानी बाकी शोज से काफी अलग है। इस शो की पूरी कहानी एक खास विषय और अलग तरह के किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है, इसलिए इसे सामान्य टीवी ड्रामे की तरह नहीं देखा जा सकता।' शो 'जूही मूई' में ईशा सिंह जूही सूरी नाम की एक होशियार और प्रतिभाशाली ऑटिस्टिक लड़की का किरदार निभा रही हैं। कहानी एक ऐसी युवती की है, जिसे समाज कई बार समझ नहीं पाता, लेकिन उसकी अलग सोच और क्षमता ही उसकी सबसे बड़ी पहचान बनती है। मौजूदा कहानी में जूही अपने पिता को खोने के बाद मुश्किल दौर से गुजर रही है। उसके पिता ही वह इंसान थे, जिन्होंने हमेशा उसे दुनिया की परेशानियों से बचाया और उसका साथ दिया। ईशा ने कहा, 'टेलीविजन एक ऐसा माध्यम है, जिसे बड़ी संख्या में लोग देखते हैं। इसलिए कई बार चैनल और निर्माता दर्शकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए कहानियां तैयार करते हैं। लंबे समय तक टीवी पर सास-बहू ड्रामा का दबदबा इसलिए रहा, क्योंकि दर्शक भी ऐसी कहानियों को काफी पसंद करते थे।'

'शीतली प्राणायाम', रखता है तन-मन दोनों को शीतल

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। चिलचिलाती धूप, उमस और तपन के साथ देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। हालांकि, अन्य समस्याओं की तरह तन और मन को शीतल रखने का भी रास्ता प्राणायाम के पास है। जी हां! ऐसे ही एक प्राणायाम का नाम है शीतली प्राणायाम, जो गर्मियों में बेहद असरदार है। इसे गर्मी के दिनों में करने से एक-दो नहीं कई लाभ मिलते हैं।

जैसा कि शीतली प्राणायाम के नाम से स्पष्ट है कि यह शीतल रखता है। यह जितना कारगर है, उतना ही सरल भी है। यह प्राणायाम एक योगिक श्वास तकनीक है, जिसमें जीभ को गोल आकार देकर या जीभ को नलिका की तरह मोड़कर हवा अंदर खींची जाती है। यह हवा शरीर में ठंडक पहुंचाती है और सांस को नियंत्रित करती है। हेल्थ एक्सपर्ट इसे रोजाना 5-10 मिनट करने की सलाह देते हैं, जिससे कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं।

शीतली प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में

भारत सरकार का आयुष मंत्रालय शीतली प्राणायाम को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह देता है। रात को सोने से पहले इसे करने से बेहतर नींद भी आती है।

शामिल कर कई लाभ उठाए जा सकते हैं। यह शरीर को ठंडक प्रदान करता है और लू से बचाव करता है। यह तनाव और चिंता को कम करता है, जिससे दिमाग शांत होता है। यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी है। यह प्राणायाम पेट की गर्मी को भी शांत करता है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं जैसे कब्ज, वात, कच्ची डकार और एसिडिटी में राहत मिलती है। जिन लोगों को उच्च रक्तचाप की समस्या है, उनके लिए भी यह बेहद कारगर है। यह हृदय को भी स्वस्थ रखता है। भारत सरकार का आयुष मंत्रालय शीतली प्राणायाम को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह देता है। रात को सोने से पहले इसे करने से बेहतर नींद भी आती है। यह त्वचा को भी चमकदार बनाता है और गर्मी के कारण होने वाली त्वचा की समस्याओं को कम करता है। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि शीतली प्राणायाम करना बेहद सरल है। इसके अभ्यास के लिए सुबह खाली पेट शांत जगह पर बैठ जाएं। जीभ को मोड़कर हवा अंदर लें, सांस को कुछ सेकंड रोकें और नाक से धीरे-धीरे छोड़ें। इसे 5-10 बार दोहराना चाहिए।

शीतली प्राणायाम गर्मियों में तन और मन को शीतल रखने का प्राकृतिक और आसान तरीका है। हालांकि, इसे करने से पहले कुछ सावधानियां भी रखनी चाहिए। गर्मियों में यह प्राणायाम ठीक है, लेकिन सर्दियों में इसे कम करना चाहिए। इसके अलावा, सर्दी-जुकाम या दमा के रोगियों को इसे करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए।

ईशा का पेरिस फैशन वीक में शानदार प्रदर्शन

पेरिस, 9 जुलाई (एजेंसियां)। रिलायंस रिटेल वेंचर्स की कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने पेरिस हाउते कॉउचर वीक में मौजूदगी दर्ज कराई। उन्होंने भारतीय फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के ऑटम/विंटर 2026 ऑट कउचर शो में हिस्सा लिया, जो भारतीय फ़ैशन के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दिखाता है। यह शो इसलिए भी खास था क्योंकि इसके जरिये डिज़ाइनर ने आधिकारिक पेरिस हाउते कॉउचर वीक में अपनी शुरुआत की।

इस अवसर पर ईशा अंबानी ने एक खास सुनहरे रंग का गाउन पहना था, जिसे मुंबई में 700 घंटे से ज़्यादा की बारीक कारीगरी से तैयार किया गया था। इस गाउन को श्री मल्होत्रा ने स्टाइलिस्ट एंड्रयू मुकामल के साथ मिलकर, खास तौर पर 34 साल की कार्यकारी निदेशक ईशा के लिये डिज़ाइन किया था। इसमें हाथ से जड़े हुए क्रिस्टल के साथ-साथ भारतीय ज़री-ज़रदोज़ी और कढ़ाई के दो पारंपरिक तरीके 'साली' और 'ताबान' शामिल हैं। इसका डिज़ाइन 'मदर' थीम से प्रेरित है, जो उन महिलाओं को सम्मान देता है जिनके प्यार, ताकत और गरिमा ने पीढ़ियों को आकार दिया है।

भारतीय शिल्प को दिया वैश्विक मंच

गौरतलब है कि पेरिस में उनकी मौजूदगी को भारतीय डिज़ाइनरों, लक्ज़री ब्रांड और कारीगरों को दुनिया के सबसे ऊंचे स्तर तक पहुंचाने के उनके विज़न के तौर पर भी देखा जा रहा है। रिलायंस रिटेल में अपनी भूमिका के ज़रिए, वह भारतीय डिज़ाइन और रचनात्मक प्रतिभा को वैश्विक पहचान दिलाने के लिये लगातार काम कर रही हैं। ईशा अंबानी ने पेरिस में 59 वर्षीय मनीष मल्होत्रा और फ़ैशन डिज़ाइनर राहुल मिश्रा के प्रेजेंटेशन में हिस्सा लिया। उनके इस कदम को अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय डिज़ाइनरों और कारीगरों को बढ़ावा देने के उनके बड़े विज़न का हिस्सा माना जा रहा है।

'मैसा' के लिए रश्मिका मंदाना ने शूट किया भारत का पहला फीमेल-लीड अंडरवॉटर फाइट सीक्वेंस

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपनी आने वाली पैन-इंडिया एक्शन फिल्म 'मैसा' के लिए अंडरवॉटर फाइट सीक्वेंस शूट किया गया है। इस सीक्वेंस को रश्मिका ने बिना किसी एक्शन डबल के स्वयं फिल्माया है। निर्माताओं के अनुसार, इस महत्वाकांक्षी एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान रश्मिका ने दो दिनों में करीब 20 घंटे पानी के भीतर बिताए। सेट पर मौजूद अंडरवॉटर तकनीकी टीम और छायाकार (डीओपी) ने उनके प्रदर्शन की सराहना करते हुए इसे भारतीय फिल्म उद्योग में अब तक का अनूठा अनुभव बताया। फिल्म के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर इस अंडरवॉटर एक्शन सीक्वेंस की झलक और सेट से रश्मिका की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि भारतीय सिनेमा में पहली बार किसी फीमेल-लीड फिल्म के लिए इस तरह का अंडरवॉटर फाइट सीक्वेंस तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय एक्शन सिनेमा में एक नए अध्याय की शुरुआत होगी। फिल्म का टीजर जल्द जारी किया जाएगा, जबकि फिल्म वर्ष 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रश्मिका मंदाना ने भी सोशल मीडिया पर इस अनुभव को साझा करते हुए कहा कि यह उनके करियर का अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण काम रहा है। उन्होंने

'मैं प्यार के मामले में बहुत बदकिस्मत हूं': आकांक्षा चमोला

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। टेलीविजन अभिनेत्री आकांक्षा चमोला पिछले कुछ समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेता गौरव खन्ना के साथ करीब नौ साल पुराना रिश्ता टूटने की खबर ने उनके फैंस को पहले ही हैरान कर दिया था। इसके बाद उन्होंने अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कई ऐसे खुलासे किए, जिनकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। अब एक बार फिर आकांक्षा ने अपने दिल की बात साझा करते हुए कहा है कि वह प्यार के मामले में खुद को बदकिस्मत मानती हैं। आकांक्षा ने कहा कि उन्होंने अब इस सच्चाई को स्वीकार भी कर लिया है।

'मेरी एक महिला दोस्त ने मुझसे कहा था कि दुर्भाग्य से मैं प्यार के मामले में बदकिस्मत हूं और हमेशा रहूंगी। उस वक्त मैंने सोचा कि शायद यही सच है और अब मैंने इसे स्वीकार कर लिया है

नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के एक एपिसोड के दौरान आकांक्षा चमोला अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना और को-कंटेस्टेंट वरुण यादव (उर्फ लैला) के साथ प्यार और रिश्तों पर खुलकर बात करती नजर आईं। बातचीत के दौरान आकांक्षा ने कहा, 'मेरी एक महिला दोस्त ने मुझसे कहा था कि दुर्भाग्य से मैं प्यार के मामले में बदकिस्मत हूं और हमेशा रहूंगी। उस वक्त मैंने सोचा कि शायद यही सच है और अब मैंने इसे स्वीकार कर लिया है।' उनकी यह बात सुनकर वरुण यादव ने उनसे दोबारा पूछा, 'क्या तुम सच में प्यार के मामले में बदकिस्मत हो?' इस पर आकांक्षा ने जवाब दिया, 'हां, मैं प्यार के मामले में बहुत बदकिस्मत हूं।'

गौरतलब है कि 'लॉक अप: सच या सजा' के लॉन्च के दौरान ही आकांक्षा चमोला ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह और उनके पति गौरव खन्ना पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं और अब दोनों ने तलाक लेने का फैसला कर लिया है। आकांक्षा के इस बयान ने शो की होस्ट फराह खान के साथ-साथ उनके फैंस को भी चौंका दिया था। आकांक्षा और गौरव खन्ना ने नवंबर 2016 में लव मैरिज की थी। दोनों की जोड़ी टीवी इंडस्ट्री की पसंदीदा जोड़ियों में गिनी जाती थी। शादी के बाद दोनों करीब नौ साल तक साथ रहे, लेकिन हाल ही में आकांक्षा ने अपने सेपरेशन की पुष्टि कर दी। इसके बाद से उनकी निजी जिंदगी लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है।

यही नहीं, पिछले हफ्ते शो के 'जजमेंट डे' एपिसोड में भी आकांक्षा ने अपनी जिंदगी से जुड़ा एक और अहम खुलासा किया था।

उन्होंने बताया था कि वह

'दिल्ली फेस्टिवल' में प्रीमियम अनानास पेश करेगा मेघालय

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि मेघालय 10 से 12 जुलाई तक राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले 'मेघालय पाइनएप्पल फेस्टिवल' के चौथे संस्करण में अपने विश्व-प्रसिद्ध प्रीमियम अनानास प्रदर्शित करेगा। साथ ही, राज्य किसानों के लिए बाजार तक पहुंच बढ़ाने के मकसद से रणनीतिक समझौते भी करेगा।

राज्य किसानों के लिए बाजार तक पहुंच बढ़ाने के मकसद से रणनीतिक समझौते भी करेगा

दिल्ली हाट में मेघालय के कृषि और किसान कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय फेस्टिवल का मकसद अनानास उगाने वालों, रिटेलर्स, संस्थागत खरीदारों, एक्सपोर्टर्स और ग्राहकों के बीच सीधे मार्केट कनेक्शन को मजबूत करना और साथ ही राज्य के बागवानी सेक्टर को बढ़ावा देना है।

सरकार के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि 10 जुलाई को होने वाले उद्घाटन कार्यक्रम में नॉर्थ ईस्टर्न रीजन के विकास और संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे, जबकि मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा सम्मानित अतिथि होंगे।

इस साल के फेस्टिवल की एक खास बात ई-कॉमर्स और मार्केटिंग प्लेटफॉर्म के साथ एमओयू पर साइन करना होगी। राज्य सरकार का कहना है कि इससे अनानास किसानों के लिए मार्केट तक पहुंच, सप्लाई चेन और मार्केटिंग के मौकों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

इस इवेंट में 'मेघालय पाइनएप्पल: ए फोर-एडिशन जर्नी' नाम से एक यादगार पब्लिकेशन भी जारी किया जाएगा, जिसमें 2023 में शुरू हुए इस फेस्टिवल के सफर को दिखाया गया है। अपनी बेहतरीन मिठास, कम एसिडिटी और लगभग 16-18 डिग्री के ब्रिक्स वैल्यू के लिए मशहूर मेघालय के अनानास देश की प्रीमियम फलों

फेस्टिवल की एक खास बात ई-कॉमर्स और मार्केटिंग प्लेटफॉर्म के साथ एमओयू पर साइन करना होगी

की किस्मों में से एक बनकर उभरे हैं। इस उत्पाद के लिए इंटरनेशनल मार्केट भी बढ़ रहा है, जिसमें किसान-उत्पादक संगठनों के जरिए दुबई और यूएई के बड़े हाइपरमार्केट में एक्सपोर्ट शामिल है। राज्य सरकार के अनुसार, फेस्टिवल में ताजे अनानास की बिक्री पिछले दो सालों में दोगुनी हो गई है, जो 2023 में 7.7 मीट्रिक टन से बढ़कर 2025 में 15.4 मीट्रिक टन हो गई है। इस फेस्टिवल ने किसान समूहों को प्रमुख रिटेल और फूड कंपनियों के साथ बिजनेस पार्टनरशिप बनाने में भी मदद की है।

अधिकारियों ने बताया कि यह फेस्टिवल मेघालय की उस बड़ी रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत 'विजन2032' रोडमैप के तहत खेती को आर्थिक विकास का मुख्य जरिया बनाने की कोशिश की जा रही है। इस पहल को 295 करोड़ रुपए के 'मेघालय स्टेट ऑर्गेनिक मिशन' से भी मदद मिल रही है, जिसका मकसद 2028 तक एक लाख हेक्टेयर जमीन को सर्टिफाइड ऑर्गेनिक खेती के दायरे में लाना है, जिससे 90,000 से ज्यादा किसानों को फायदा होगा। ताजे अनानास के अलावा, आने वाले लोग वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स खरीद सकेंगे, किसान समूहों और उद्यमियों से बातचीत कर सकेंगे, और मुख्यमंत्री के 'मेघालय ग्रासरूट्स म्यूजिक प्रोग्राम' के तहत कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद ले सकेंगे। ये प्रस्तुतियां राज्य की कृषि विरासत और सांस्कृतिक विविधता को उजागर करेंगी।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

इंफोसिस	1.80 प्रतिशत
मारुति सुजुकी	1.55 प्रतिशत
एनटीपीसी	1.51 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	0.95 प्रतिशत
टाइटन	0.69 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,44,840
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,29,350
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.77	93.72
पौंड स्टर्लिंग	129.84	125.26
यूरो	110.88	106.72
चीन युआन	14.95	13.22

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

एआई डेटा सेंटर्स में भारत अग्रणी देशों में शामिल

■ ज्यादातर निवेश मुंबई व चेन्नई के आसपास केंद्रित
■ हब के रूप में उभर रहा विशाखापट्टनम

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। एआई डेटा सेंटर की दौड़ में भारत एक प्रमुख दावेदार बनकर उभरा है। ये सेंटर अगली पीढ़ी की कंप्यूटिंग को पावर देंगे। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनियां और देश के बड़े बिजनेस ग्रुप, भारत में एआई के लिए डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रहे हैं। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

'द सिटीजन' की रिपोर्ट में बताया गया कि इसमें से ज्यादातर निवेश मुंबई और चेन्नई के आसपास केंद्रित है, जो कि अंडरसी (समुद्र के नीचे) केबल नेटवर्क के करीब मौजूद हैं और यह हाइपरस्केल डेटा सेंटर्स के लिए सबसे अच्छी जगह हैं। वहीं, देश के पूर्वीतट पर आंध्रप्रदेश का विशाखापट्टनम हब के रूप में उभर रहा है। इन सुविधाओं के लिए बहुत अधिक बिजली और पानी की जरूरत होती है, ताकि खास तरह के और बहुत अधिक गर्मी पैदा करने वाले कंप्यूटिंग हार्डवेयर को ठंडा रखा जा सके। ये मजबूत पावर ग्रिड, ज्यादा क्षमता वाली फाइबर-ऑप्टिक कनेक्टिविटी और रिन्यूएबल एनर्जी तक बढ़ती पहुंच पर भी निर्भर करते हैं। तेजी से उभरते हुए हब में विशाखापत्तनम भी शामिल है, जो दक्षिणी तटीय राज्य आंध्र प्रदेश का आर्थिक केंद्र है। गूगल ने इस क्षेत्र में 15 अरब डॉलर निवेश करने का वादा किया है, जबकि अडाणी ग्रुप ने भी 2035 तक 5गीगावाट का एआई प्लेटफॉर्म बनाने के लिए 100 अरब डॉलर निवेश करने की योजना की घोषणा की है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि हैदराबाद और पुणे जैसे अंदरूनी इलाकों के टेक्नोलॉजी सेंटर तेजी से अपने क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार कर रहे हैं, जिससे भारत की डिजिटल पहुंच तटीय इलाकों से आगे बढ़ रही है।

सरकार की सहयोगी पॉलिसी इन प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रही है। इसके तहत डेवलपर्स को रियायती दरों पर लंबे समय के लिए फाइनेंसिंग और टैक्स में बड़ी छूट दी जा रही है, जिसमें ग्रीन एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश करने वाली कंपनियों के लिए 2047 तक टैक्स हॉलिडे भी शामिल है।

हाइपरस्केल एआई प्रोजेक्ट्स में भारी निवेश के कारण, अनुमान है कि इस दशक के आखिर तक भारत की ऑपरेशनल डेटा सेंटर क्षमता बढ़कर लगभग 6.5 गीगावाट हो जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, भारी निवेश, सरकार की सहयोगी पॉलिसी और तेजी से बढ़ते डिजिटल इकोसिस्टम की बदौलत, देश दुनिया की प्रमुख एआई ताकतों में से एक बनने की राह पर है।

दुनिया का सबसे बड़ा डेटा सेंटर सिटी बनेगा धोलेरा : संघवी

भविष्य का डिजिटल हब होगा गुजरात

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने राज्य को डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। गुरुवार को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 'विकसित गुजरात-डेटा सेंटर पॉलिसी 2026-29' लॉन्च की। इस मौके पर राज्य के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य धोलेरा को दुनिया का सबसे बड़ा डेटा सेंटर सिटी बनाना है।

निवेशकों और टेक्नोलॉजी कंपनियों को संबोधित करते हुए हर्ष संघवी ने कहा कि मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि यदि दुनिया का सबसे अधिक क्षमता वाला डेटा सेंटर सिटी अगर किसी एक शहर में होगा, तो वह धोलेरा होगा। धोलेरा दुनिया के सबसे बड़े डेटा सेंटर सिटी के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने धोलेरा में हाइपरस्केल डेटा सेंटर परियोजनाओं के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा पहले से तैयार कर लिया है। गुजरात आज निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है क्योंकि यहां नीतियों में स्थिरता, 24 घंटे निर्बाध बिजली और लंबे समय के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। हर्ष संघवी ने कहा कि डेटा सेंटरों के संचालन के लिए लगातार बिजली और बड़ी मात्रा में पानी की जरूरत होती है।

फ्लिपकार्ट के फूड एवं न्यूट्रिशन कारोबार में 50 प्रतिशत की वृद्धि

बेंगलुरु 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने बताया कि उसकी फूड एंड न्यूट्रिशन कैटेगरी में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस बढ़ोतरी में जेन जी ग्राहकों के साथ-साथ धुलिया, इंफाल, धारवाड़, उज्जैन, हुबली, मीरगंज और लहरपुर सहित कई टियर-2+ शहरों के ग्राहकों का अहम योगदान रहा। वहीं, कुल मांग में फ्लिपकार्ट मिनट्स की 25 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ क्विक कॉमर्स ने इस वृद्धि को गति दी। फ्लिपकार्ट के अनुसार, स्वास्थ्यवर्धक, प्रीमियम और नए फूड प्रोडक्ट्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। कुल मांग में 65 प्रतिशत हिस्सेदारी टियर-2+ बाजारों की है, जो देशभर में आधुनिक खाद्य विकल्पों की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाती है। जेन जी ग्राहकों के बीच प्रोटीन ओट्स, हाई-प्रोटीन पीनट बटर, प्रोटीन मुसली और कोरियन फ्लेवर वाले स्नैक्स जैसे उत्पाद तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। वहीं, छोटे शहरों के ग्राहक कोल्ड-प्रेस्ड ऑयल, ऑलिव ऑयल, प्रीमियम ड्राई फ्रूट्स और ऑथेंटिक घी जैसे स्वास्थ्यवर्धक विकल्पों को अपना रहे हैं। फ्लिपकार्ट के वाइस प्रेसिडेंट (कंज्यूमेबल्स) निशांत दलाल ने कहा कि भारत में भोजन अब केवल जरूरत नहीं, बल्कि वेलनेस, आइडेंटिटी और नई खोज का माध्यम बन रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल कॉमर्स बेहतर खाद्य विकल्पों को देशभर के उपभोक्ताओं तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने से सोना -चांदी फिसला

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने का असर सोने और चांदी की कीमतों पर भी देखने को मिला है और दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब आधा प्रतिशत कम हो गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,43,711 रुपए के मुकाबले मामूली गिरावट के साथ 1,43,451 रुपए पर खुला, लेकिन शुरुआती कारोबार में ही इसमें और बिकवाली देखी गई।

सुबह 10 बजे, यह 490 रुपए या 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,43,221 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,43,101 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,43,511 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। सोने के साथ चांदी में भी तेज गिरावट देखी गई है। चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,23,437 रुपए के मुकाबले 1,437 रुपए की कमजोरी के साथ 2,22,000 रुपए पर खुला। फिलहाल यह 1,321 रुपए या 0.59 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,22,116 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,21,502 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,22,761 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने और चांदी में गिरावट देखने को मिली है।

भारत में दुनिया की आधी जीसीसी मौजूद

■ एंटरप्राइस एआई टैलेंट के दूसरे सबसे बड़े हब के रूप में उभर रहा भारत

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में दुनिया के करीब आधे ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) मौजूद हैं और देश एंटरप्राइस एआई टैलेंट के दूसरे सबसे बड़े हब के रूप में उभर रहा है। यह इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और हाई-वैल्यू ग्लोबल ऑपरेशन में देश की बढ़ती भागीदारी को दिखाता है। यह बयान मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने गुरुवार को दिया। राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई जीसीसी बिजनेस समिट में नागेश्वरन ने कहा कि भारत का जीसीसी इकोसिस्टम बीते दो दशकों में एक बड़े बदलाव के दौर से गुजरा है। इसमें बैक-ऑफिस से 2,000 से अधिक सेंटर तक का बड़ा बदलाव शामिल है, जिसमें आज 20 लाख से ज्यादा पेशेवरों को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस सेक्टर में रोजगार अब 23 लाख के करीब पहुंच रहा है, जबकि सालाना आय 60 अरब डॉलर से अधिक हो गई है और 100 अरब डॉलर के करीब पहुंचने की राह पर है।

नागेश्वरन ने कहा कि दुनिया के लगभग आधे जीसीसी अब भारत में हैं। यह अचानक नहीं हुआ। यह हमारे लोगों की वजह से हुआ, क्योंकि टैलेंट ही सबसे अहम चीज है। उन्होंने बताया कि ये सेंटर पहले लागत कम रखने के लिए भारत आए थे, लेकिन अपनी काबिलियत की वजह से यहीं टिके रहे। सीईए ने कहा कि जीसीसी अब भारत की जीडीपी में लगभग 2 प्रतिशत का योगदान देते हैं और भारत के बड़े शहरों में बनने वाली नई ऑफिस स्पेस में इनका बड़ा हिस्सा होता है। उन्होंने कहा कि भारत के पैमाने के आस-पास भी कोई दूसरा देश नहीं है, क्योंकि दुनिया के लगभग आधे जीसीसी अब यहीं से काम कर रहे हैं। इस सेक्टर के विकास के बारे में बताते हुए नागेश्वरन ने कहा कि भारतीय जीसीसी अब कम लागत में बैक-ऑफिस सपोर्ट देने वाली अपनी पारंपरिक भूमिका से कहीं आगे निकल चुके हैं।

सार संक्षेप

निसान ने दुनिया के लिए पेश की भारत में बनी नई टेकटॉन

नई दिल्ली। जापानी कार निर्माता कंपनी निसान मोटर की भारतीय इकाई निसान मोटर इंडिया ने गुरुवार को भारत में आयोजित विश्व प्रीमियर के दौरान नयी निसान टेकटॉन बाजार में पेश की। इस साल भारत में पेश किया गया यह निसान का दूसरा नया मॉडल है। यह दो इंजन विकल्पों टर्बो टी160 औ टर्बो टी280 में उपलब्ध है। टी160 की शुरुआती कीमत 10.49 लाख रुपए और टी280 की शुरुआती कीमत 14.99 लाख रुपए रखी गई है। कंपनी के अनुसार, यह अपने सेगमेंट की पहली एसयूवी है जिसमें पूरी रेंज में केवल टर्बोचार्ज्ड इंजन दिए गए हैं। टेकटॉन का निर्माण चेन्नई स्थित निसान प्लांट में किया जाएगा। इसे 'एक कार, एक दुनिया' रणनीति के तहत विकसित किया गया है और भारत के अलावा मध्य पूर्व, अफ्रीका तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी निर्यात किया जाएगा।

भारतबेंज ने आठ मीटर सेगमेंट में पेश की नई बस

नई दिल्ली। जर्मन कंपनी डेमलर ट्रक के पूर्ण स्वामित्व वाली भारतीय इकाई डेमलर इंडिया कमर्शियल व्हीकल्स ने गुरुवार को अंतर-शहरी परिवहन के लिए भारतबेंज टॉर्कशिफ्ट 1926 एएमटी हेवी ड्यूटी बस चेसिस और कॉम्पैक्ट-बस सेगमेंट के लिए डिजाइन की गयी आठ मीटर लंबी पूरी तरह से निर्मित बस भारतबेंज 917 का अनावरण किया। भारतबेंज टॉर्कशिफ्ट 1926 हेवी ड्यूटी बस चेसिस को अंतर-शहरी मार्गों पर, विशेष रूप से 500 किमी तक की यात्रा के लिए, डिजाइन किया गया है। कंपनी का कहना है कि इसका डिजाइन ऐसा है जो ड्राइवर की थकान को कम करता है जिससे दो ड्राइवरों की आवश्यकता कम हो जाती है। साथ ही ईंधन दक्षता में सुधार किया गया है जिससे लगात में कमी आती है। इसे विश्व स्तर पर प्रमाणित टॉर्कशिफ्ट एएमटी सिस्टम और 260 एचपी इंजन के साथ पेश किया गया है।

निचले स्तर पर हुई लिवाली से बाजार में तेजी

■ सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत चढ़कर 76,741.82 अंक पर रहा
■ निफ्टी 0.34 प्रतिशत ऊपर 23,962.80 अंक पर बंद

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में निचले स्तर पर हुई लिवाली से गुरुवार को तेजी देखी गई। पिछले कारोबारी दिवस पर बाजार में बड़ी गिरावट रही थी। दोनों प्रमुख सूचकांक दो प्रतिशत से ज्यादा टूट गए थे। इसके बाद निवेशकों ने कम कीमत पर बाजार में शेयर खरीदे।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 238.22 अंक (0.31 प्रतिशत) चढ़कर 76,741.82 अंक पर पहुंच गया। सूचकांक पूरे दिन हरे निशान में रहा और दोपहर से पहले 823 अंक चढ़ गया था। हालांकि अंत तक यह उतनी बढ़त बरकरार नहीं रख सका। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 80.75 अंक यानी 0.34 प्रतिशत ऊपर 23,962.80 अंक पर बंद हुआ।

घरेलू स्तर पर प्रमुख सूचकांकों के मुकाबले वृहत बाजार में लिवाली ज्यादा रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.36 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.80 प्रतिशत ऊपर रहा। ऑटो और आईटी को छोड़कर सभी सेक्टरों के सूचकांक बढ़त में रहे। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, बैंकिंग, रियल्टी, बैंकिंग, वित्त, रियल्टी, फार्मा और मीडिया समूहों की कंपनियों में अच्छी लिवाली रही। एनएसई में जिन 3,414 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,521 के शेयरों में तेजी और 779 में गिरावट रही। अन्य 114 कंपनियों के शेयर दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद अंत में अपरिवर्तित बंद हुए।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 17 के शेयर हरे निशान में रहे। सन फार्मा का शेयर 2.70 फीसदी की बढ़त में बंद हुआ। भारती एयरटेल में 2.15 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व में 2.14 और इंडिगो में 2.01 प्रतिशत की तेजी रही। इटरनल का शेयर 1.99 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.77 प्रतिशत और अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.38 प्रतिशत चढ़ा। एचडीएफसी बैंक, पावरग्रिड, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनीलिवर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, अडानी पोर्ट्स और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी हरे निशान में रहे।

इंफोसिस में 1.80 प्रतिशत की गिरावट रही। मारुति सुजुकी का शेयर 1.55 प्रतिशत, एनटीपीसी का 1.51 प्रतिशत और एक्सिस बैंक का 0.95 प्रतिशत गिर गया। बजाज फाइनेंस, टाइटन, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टीसीएस, बीईएल और टेक महिंद्रा के शेयर भी गिरावट में रहे। वैश्विक स्तर पर मिश्रित रुख रहा। एशिया में जापान का निक्केई 1.38 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.65 फीसदी की बढ़त में रहा। हांगकांग का हैंग सेंग 0.70 प्रतिशत फिसल गया।

तेलंगाना में अमोनिया रिसाव के कारण आरएफसीएल फिर से बंद, यूरिया उत्पादन ठप

■ खरीफ फसल के मौसम में किसानों को यूरिया आपूर्ति को लेकर बढ़ गई चिंता

हैदराबाद, 9 जुलाई (एजेंसियां)। तेलंगाना के पेद्दापल्ली जिले में स्थित रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) को अमोनिया पाइपलाइन में रिसाव के कारण बंद कर दिया गया है। रिसाव के कारण प्लांट की सभी इकाइयों के बंद होने से सार्वजनिक क्षेत्र की इस कंपनी में यूरिया उत्पादन ठप हो गया है।

सूत्रों के अनुसार, तकनीकी खराबी के कारण रिसाव हुआ। समस्या का समाधान न हो पाने के कारण प्लांट को बंद कर दिया गया। समस्या के समाधान के बाद उत्पादन फिर से शुरू होने में कम से कम एक सप्ताह का समय लग सकता है।

यूरिया उत्पादन ठप होने से तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और पांच अन्य राज्यों को उर्वरक आपूर्ति प्रभावित होने की संभावना है। इसके साथ ही खरीफ फसल के मौसम में किसानों को आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई है। यह इस साल दूसरी बार है जब अमोनिया रिसाव के कारण आरएफसीएल प्लांट को बंद करना पड़ा है। मार्च में भी प्लांट एक सप्ताह के लिए बंद रहा था।

इस प्लांट की क्षमता 3,850 टन प्रतिदिन है, लेकिन मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण गैस की कमी के चलते यह कुछ समय से 50 प्रतिशत क्षमता पर ही चल रहा था। चूंकि आरएफसीएल तेलंगाना के लिए यूरिया का एकमात्र स्रोत है, इसलिए राज्य सरकार केंद्र से इस प्लांट से उत्पादित संपूर्ण यूरिया को तेलंगाना को आवंटित करने की मांग कर रही है। इस बीच, तेलंगाना सरकार ने राज्य भर के किसानों के लिए रियायती यूरिया को अधिक सुलभ बनाने के लिए एक अभिनव कदम उठाया है। पारदर्शिता बढ़ाने और समय पर वितरण सुनिश्चित करने के लिए राज्य के कृषि विभाग ने राज्य भर के सभी मीसेवा केंद्रों पर यूरिया बुकिंग सेवा शुरू की है।

पेंशन प्रभाग को मई में शिकायत निवारण के मामले में दूसरा स्थान

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के बैंकिंग और बीमा प्रभागों को मई में शिकायतों के निवारण के मामले में समूह ए में क्रमशः दूसरा और छठा स्थान प्राप्त हुआ। वित्त मंत्रालय की गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वित्तीय सेवा विभाग को प्रतिवर्ष 2.50 लाख से अधिक शिकायतें प्राप्त होती हैं और नवंबर 2025 से यह विभाग लगातार शिकायत निवारण मूल्यांकन एवं सूचकांक (जीआरएआई) रैंकिंग में शीर्ष 10 मंत्रालयों/ विभागों में शामिल रहा है। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा जारी मई 2026 की जीआरएआई रैंकिंग में बीमा प्रभाग ने ग्रुप ए श्रेणी (जहां 500 या उससे अधिक शिकायतें दर्ज होती हैं) में दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि बैंकिंग प्रभाग इसी श्रेणी में छठे स्थान पर रहा।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि शिकायत निवारण के मामले में सुधार के लिए सात जनवरी 2024 से वित्तीय सेवा विभाग के सचिव स्वयं आकस्मिक रूप से 20-20 शिकायतों में कृत का की समीक्षा करते रहे हैं। इस प्रक्रिया में शिकायतकर्ताओं के साथ-साथ संबंधित वित्तीय संस्थानों के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा वरिष्ठ प्रबंधन भी सीधे भाग लेते हैं। इस पहल का उद्देश्य ग्राहकों का विश्वास बढ़ाना और शिकायतों का सार्थक एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। वित्तीय सेवा विभाग ने भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण, पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरणतथा सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ 'प्रभावी शिकायत निवारण ढांचा' विषय पर कार्यशालाओं का भी आयोजन किया है।

पहली छमाही में एनसीआर में मकानों की बिक्री घटी

■ मुंबई बना रहा सबसे बड़ा बाजार

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। देश के आठ प्रमुख आवासीय बाजारों में इस साल की पहली छमाही में घरों की बिक्री में एक प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। नाइट फ्रैंक ने मुंबई, बेंगलुरु, पुणे, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, अहमदाबाद, चेन्नई और कोलकाता के आंकड़ों के आधार पर गुरुवार को जारी इंडिया रियल एस्टेट रिपोर्ट में बताया कि जनवरी-जून 2026 के दौरान इन आठ शहरों में 1,71,471 आवासीय इकाइयों की बिक्री दर्ज की गई जो पिछले साल की पहली छमाही में बिके 1,70,201 घरों की तुलना में एक प्रतिशत अधिक है। साथ ही यह पिछले 12 साल की सबसे मजबूत अर्धवार्षिक बिक्री में से एक है।

खास बात यह रही कि जहां अन्य सात शहरों में बिक्री बढ़ी है, वहीं दिल्ली-एनसीआर में सात फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिक्री में लगभग स्थिरता यह संकेत देती है कि बाजार अब अपने वर्तमान चक्र की संतृप्ति के चरण में प्रवेश कर चुका है। साल 2020 में कोरोना महामारी के कारण आई गिरावट के बाद लगातार चार साल सुधार देखने को मिला, लेकिन अब बाजार की वृद्धि सुस्त पड़ गई है। पिछले साल इसमें मामूली गिरावट देखी गई थी। इस साल की पहली छमाही में मुंबई 47,355 घरों की बिक्री के साथ देश का सबसे बड़ा आवासीय बाजार बना रहा। यहां बिक्री में एक प्रतिशत की वृद्धि हुई। बेंगलुरु में बिक्री पांच प्रतिशत बढ़ी जिसका मुख्य कारण आईटी और प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जुड़े खरीदारों की मजबूत मांग रही। वहां 27,968 मकान बिके। पुणे में बिक्री दो प्रतिशत बढ़ी, जबकि चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद में भी दो से तीन प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई। हैदराबाद का बाजार लगभग स्थिर रहा और केवल एक प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। अन्य शहरों के विपरीत दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का प्रदर्शन सबसे कमजोर रहा। यहां बिक्री सात प्रतिशत घटकर 24,862 इकाइयों पर आ गई।

नयी परियोजनाओं के मामले में पुणे ने 17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सबसे अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि मुंबई में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई। दूसरी ओर, एनसीआर और कोलकाता दोनों में नयी परियोजनाओं की संख्या पांच फीसदी घट गई। अधिकांश शहरों में नयी परियोजनाओं की संख्या बिक्री से अधिक रही जिससे अनबिके मकानों का दबाव और बढ़ गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि गुरुग्राम, नोएडा और दिल्ली के प्रीमियम इलाकों में एक करोड़ रुपए से कम कीमत वाले घरों का अधिकांश स्टॉक बिक चुका है।

स्कोप से आईआईएसडी ने किया सहयोग का करार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के उपक्रमों के स्थायी मंच स्कोप ने पारिस्थितिकी की दृष्टि से स्वस्थ विकास के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर शोध एवं परामर्श सेवाएं देने वाले संगठन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (आईआईएसडी) के साथ सहयोग संबंधी एक करार किया है। स्कोप की गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक इस करार पर स्कोप के महानिदेशक अतुल सोबती और आईआईएसडी की सहायक उपाध्यक्ष (स्वस्थ विकास) ऐनी हैमिल ने एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता भारत में हरित ऊर्जा के क्षेत्र में प्रगति के प्रयास में सहयोग और जानकारी के आदान प्रदान के माध्यम से योगदान करने के प्रति स्कोप और आईआईएसडी की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वर्ष 1990 में स्थापित आईआईएसडी के मुख्य केंद्र कनाडा और जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में हैं।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन्न होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नही आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें ■ मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर ■ भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09649 हिन्दी दैनिक

शब्दवाणी समाचार

Website : Shabdawanisamachar.page

(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

wwww.shabdwanisamachar.page E-mail : shabdwanisamachar2003@gmail.com Helpline : 0886-012-8844

सेमीफाइनल में प्रवेश करेगी इस मुकाबले की विजेता टीम

फीफा वर्ल्ड कप क्वार्टर फाइनल में आज स्पेन और बेल्जियम की टक्कर

● लॉस एंजिलिस / (एजेंसी)

फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को स्पेन और बेल्जियम की टीमें आमने-सामने होंगी। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले जाने वाले इस मुकाबले की विजेता टीम सेमीफाइनल में प्रवेश करेगी। मैच भारतीय समयानुसार शनिवार तड़के खेला जाएगा।

स्पेन ने ग्रुप चरण में अपराजित रहते हुए अपने समूह में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद उसने राउंड ऑफ 32 में ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं प्री-क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में मिकेल मेरिनो के इंजरी टाइम में किए गए गोल की बदौलत 1-0 से जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई।

दूसरी ओर, बेल्जियम का नॉकआउट सफर बेहद रोमांचक रहा है। राउंड ऑफ 32 में सेनेगल के खिलाफ टीम एक समय 0-2 से पीछे थी, लेकिन शानदार वापसी करते हुए अतिरिक्त समय में 3-2 से जीत दर्ज की। इसके बाद मेजबान अमेरिका को राउंड ऑफ 16 में 4-1 से हराकर बेल्जियम ने क्वार्टर फाइनल का टिकट कटाया। इस मैच में चार्ल्स डी केटेलेयर ने पहले हाफ में दो गोल दागे।

बेल्जियम के लिए यह विश्व कप उसकी स्वर्णिम पीढ़ी के अनुभवी खिलाडियों का आखिरी बड़ा अभियान माना जा रहा है। कप्तान केविन डी ब्रुयने मिडफील्ड की अगुआई कर रहे हैं, जबकि गोलकीपर थिबाउट कोर्टुआ और स्टार स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकू टीम की सबसे बड़ी ताकत हैं। लुकाकू इस विश्व कप में तीन गोल कर चुके हैं और अब विश्व कप इतिहास में अपने कुल आठ गोल के साथ डिएगो माराडोना, रूडी फोलर और रिवाल्डो की बराबरी पर पहुंच गए हैं। बेल्जियम पिछले चार विश्व कप में तीसरी बार क्वार्टर फाइनल खेल रहा है। टीम ने 1986 के विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में स्पेन को पेनाल्टी शूटआउट में हराया था, जबकि 2018 में ब्राजील को मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि 2014 में उसे अर्जेंटीना के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

स्पेन के लिए क्वार्टर फाइनल का रिकॉर्ड बहुत प्रभावशाली नहीं रहा है। टीम केवल दो बार अंतिम आठ की बाधा पार कर सकी है। पहली बार 1950 में और दूसरी बार 2010 में, जब उसने दक्षिण अफ्रीका में अपना पहला और अब तक का एकमात्र विश्व कप खिताब जीता था।

स्पेन की मौजूदा टीम में रोड्री, पेड्री, दानी ओल्मो और युवा स्टार लामिन यामाल शानदार फॉर्म में हैं। ऐसे में 2010 की विश्व विजेता टीम के पास अपनी नई पीढ़ी की ताकत दिखाने और सेमीफाइनल में जगह बनाने का सुनहरा अवसर होगा।

संभावित प्लेइंग इलेवन

स्पेन: उनाई सिमोन, पोरो, क्यूबार्सी, लापोर्टे, कुकुरेला, रोड्री, पेड्री, लामिन यामाल, दानी ओल्मो, बेना, ओयारजाबाल।

बेल्जियम: थिबाउट कोर्टुआ, कास्टान्ये, मेचेले, नगोय, डे क्यूपर, टाईलेमांस, रास्किन, वानाकेन, लुकेबाकियो, चार्ल्स डी केटेलेयर, लिएंड्रो ट्रोसार्ड।

विश्व कप में आमने-सामने

विश्व कप इतिहास में स्पेन और बेल्जियम के बीच अब तक दो मुकाबले हुए हैं और दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीता है। 1986 के क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम ने पेनाल्टी शूटआउट में 5-4 से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। इसके बाद 1990 के विश्व कप के ग्रुप चरण में स्पेन ने 2-1 से जीत हासिल कर उस हार का बदला लिया था।

चार पूर्व चैंपियन, चार नई उम्मीदें

क्वार्टर फाइनल में पहुंची आठ टीमों में अर्जेंटीना, फ्रांस, इंग्लैंड और स्पेन पहले विश्व कप जीत चुके हैं। वहीं बेल्जियम, मोरक्को, स्विट्जरलैंड और नॉर्वे अब भी अपने पहले खिताब की तलाश में हैं। अगर बेल्जियम, मोरक्को, स्विट्जरलैंड या नॉर्वे में से कोई टीम चैंपियन बनती है तो 2010 में स्पेन के बाद विश्व फुटबॉल को नया विजेता मिलेगा।

अर्जेंटीना	3 बार	(1978, 1986, 2022)
फ्रांस	2 बार	(1998, 2018)
इंग्लैंड	1 बार	(1966)
स्पेन	1 बार	(2010)

क्वार्टर फाइनल-3 इंग्लैंड वर्सस नॉर्वे

इस मुकाबले में दुनिया के दो सबसे खतरनाक स्ट्राइकर आमने-सामने होंगे। नॉर्वे के अर्लिंग हालैंड को रोकना इंग्लैंड की सबसे बड़ी चुनौती होगी, जबकि हैरी केन एक बार फिर टीम की उम्मीदों का केंद्र रहेंगे। कोच थॉमस ट्यूशेल की अगुआई में इंग्लैंड मजबूत नजर आ रहा है, लेकिन नॉर्वे के पास बड़ा उलटफेर करने का मौका है।

क्वार्टर फाइनल-4 अर्जेंटीना Vs स्विट्जरलैंड

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना की भिड़ंत स्विट्जरलैंड से होगी। यदि अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतता है तो कप्तान लियोनेल मेसी दो बार विश्व कप ट्रॉफी उठाने वाले इतिहास के पहले कप्तान बन जाएंगे। साथ ही अर्जेंटीना लगातार दो पुरुष विश्व कप जीतने वाला ब्राजील के बाद दूसरा देश होगा। स्विट्जरलैंड कई बार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचा है, लेकिन अब तक कभी सेमी में जगह नहीं बना सका है।

गोल्डन बूट की दौड़ रोचक

गोल्डन बूट की रेस में लियोनेल मेसी आठ गोल के साथ सबसे आगे हैं। किलियन एमबाप्पे और एर्लिंग हालैंड सात-सात गोल के साथ उनके पीछे हैं, जबकि हैरी केन छह गोल कर चुके हैं।

फ्रांस-मोरक्को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में हंगामा, पत्रकार भिड़े

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

फ्रांस और मोरक्को के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल से पहले मोरक्को के स्टार खिलाड़ी ब्राहिम डियाज की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दो पत्रकार आपस में भिड़ गए और हाथापाई तक पहुंच गए।

अचानक हुए विवाद से डियाज कुछ पल के लिए हैरान रह गए। माहौल शांत होने के बाद उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मैं तो सवाल ही भूल गया हूं। उनका यह जवाब सुनकर प्रेस कॉन्फ्रेंस का माहौल हल्का हो गया। इसके बाद डियाज ने कहा कि मोरक्को ने पूरे टूर्नामेंट में मजबूत मानसिकता दिखाई है और टीम फ्रांस के खिलाफ भी पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेगी। उन्होंने अपने रियल मैड्रिड साथी किलियन एमबाप्पे की तारीफ करते हुए कहा कि वह बेहतरीन खिलाड़ी हैं, लेकिन मैदान पर उनका पूरा ध्यान मोरक्को को जीत दिलाने पर रहेगा।

रेफरी चयन को लेकर भी नया विवाद

फ्रांस और मोरक्को के क्वार्टर फाइनल से पहले फीफा के रेफरी चयन को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। इस मुकाबले के लिए पूरी ऑफिशिएटिंग टीम अर्जेंटीना की नियुक्त की गई है। मुख्य रेफरी फैकुंडो टेलो होंगे, जबकि उनके दोनों सहायक, चौथे अधिकारी और रिजर्व सहायक भी अर्जेंटीना से हैं। विश्व कप 2026 में यह पहला मौका है, जब किसी मैच की पूरी रेफरी टीम एक ही देश से होगी। 2022 विश्व कप फाइनल में अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच हुई ऐतिहासिक भिड़ंत को देखते हुए सोशल मीडिया पर इस फैसले पर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि फ्रांस के मुख्य कोच डिडिएर डेसचैम्प्स और मोरक्को के कोच दोनों ने रेफरियों पर भरोसा जताते हुए कहा कि उनका ध्यान केवल मैच पर है। चार साल पहले 2022 विश्व कप सेमीफाइनल में फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराया था। ऐसे में इस बार एटलस लायंस के पास हिसाब बराबर करने का मौका होगा।

रोमांच की इंतेहा... 120 गेंद, 417 रन और 47 छक्के

क्लब टी20 में बना नया रिकॉर्ड, एक बल्लेबाज ने सिर्फ 55 गेंदों पर जड़ दिए नाबाद 206 रन

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

इंग्लैंड के क्लब क्रिकेट में टी20 का नया इतिहास रच दिया गया। डम्बलटन क्रिकेट क्लब ने प्रीमियर वन टॉप टियर डिवीजन के मुकाबले में हेदरली एंड रेडिंग्स क्रिकेट क्लब के खिलाफ 20 ओवर में 2 विकेट पर 417 रन ठोक दिए। टीम ने 188 रन से जीत दर्ज की, जबकि जवाब में हेदरली एंड रेडिंग्स की टीम 229 रन पर सिमट गई। डम्बलटन की पारी में चौके-छक्कों की ऐसी बारिश हुई कि टीम ने 47 छक्के और 22 चौके लगाए। यानी 69 बाउंड्री से ही 370 रन बटोर लिए। मुकाबले में दोनों टीमों ने मिलकर कुल 66 छक्के लगाए।

हारने वाली टीम से भी शतक

417 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए हेदरली एंड रेडिंग्स की ओर से हैरी ब्लूमफील्ड ने 48 गेंदों में 109 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 6 चौके और 12 छक्के लगाए, लेकिन दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिलने के कारण टीम 229 रन पर ही सिमट गई।

55 गेंदों में दोहरा शतक

मैच के सबसे बड़े हीरो ओपनर इवान गेग रहे। उन्होंने महज 55 गेंदों पर नाबाद 206 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी पारी में 13 चौके और 23 छक्के शामिल रहे। दूसरे छोर से डेन हॉलैंड ने 37 गेंदों पर 122 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 16 छक्के शामिल थे। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 59 गेंदों में 211 रन की विस्फोटक साझेदारी की। इससे पहले गेग और थॉमस केली ने पहले विकेट के लिए 6.1 ओवर में 112 रन जोड़े। केली ने 25 गेंदों पर 64 रन बनाए।

टी20 में सबसा बड़ा स्कोर

डम्बलटन का 417/2 का स्कोर टी20 इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर माना जा रहा है। इससे पहले 2017 में भारत की एक क्लब टीम मावी ने 2 विकेट पर 416 रन बनाए थे। वहीं पेशेवर टी20 में सर्वोच्च स्कोर का रिकॉर्ड बड़ौदा के नाम है, जिसने 2024 में मुश्ताक अली ट्रॉफी में सिक्किम के खिलाफ 5 विकेट पर 349 रन बनाए थे। अंतरराष्ट्रीय टी20 में पारी का सर्वोच्च स्कोर जिम्बाब्वे के नाम है, जिसने 2024 में जाम्बिया के खिलाफ 4 विकेट पर 344 रन बनाए थे।

अब ब्रिस्टल में भी टीम इंडिया की शर्मनाक हार, सीरीज भी गंवाई

इंग्लैंड ने 9 विकेट से रौंदा

● ब्रिस्टल, / (एजेंसी)

कप्तान श्रेयस अय्यर की नाबाद 80 रन की शानदार पारी भी भारत को हार से नहीं बचा सकी। इंग्लैंड ने चौथे टी-20 मुकाबले में भारत को नौ विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली। इसके साथ ही भारत 12 साल बाद इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय टी-20 सीरीज हार गया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने सात विकेट पर 158 रन बनाए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 49 गेंदों में नाबाद 80 रन की जिम्मेदार पारी खेली। उनके अलावा शिवम दुबे ने 22 रन बनाए। हालांकि शीर्ष क्रम एक बार फिर नाकाम रहा। वैभव सूर्यवंशी 15, ईशान किशन 4, अभिषेक शर्मा 14, तिलक वर्मा, वॉशिंगटन सुंदर (5) और अक्षर पटेल (1) बड़ी पारी नहीं खेल सके। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग और जोफ्रा आर्चर ने दो-दो विकेट लिए, जबकि विल जैक्स और आदिल राशिद को एक-एक सफलता मिली। 159 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने महज 13.5 ओवर में एक विकेट खोकर जीत दर्ज कर ली। शुरुआती झटका 13 रन पर जोस बटलर (8) के रूप में लगा, जिन्हें अर्शदीप सिंह ने विकेटकीपर ईशान किशन के हाथों कैच कराया। इसके बाद कप्तान हैरी ब्रूक और फिल सॉल्ट ने भारतीय गेंदबाजों पर पूरी तरह दबाव बना दिया। ब्रूक ने 35 गेंदों पर नाबाद 79 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि फिल सॉल्ट ने 42 गेंदों में नाबाद 59 रन बनाए। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 146 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को एकतरफा जीत दिलाई। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ही एकमात्र विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। यह 2014 के बाद पहला अवसर है, जब इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ कोई द्विपक्षीय टी-20 सीरीज जीती है। वहीं भारतीय टीम ने 2018-19 के बाद लगातार दूसरी टी-20 सीरीज गंवाई है।

वैभव की कमजोरी फिर बनी परेशानी

युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर शॉर्ट गेंद के सामने संघर्ष करते नजर आए। आर्चर ने तीसरे ओवर में बैक ऑफ लेंथ गेंद पर उन्हें मिड-ऑन पर सैम करन के हाथों कैच करा दिया। वैभव ने 10 गेंदों में 15 रन बनाए, लेकिन अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। पूरी सीरीज में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने शॉर्ट और बैक ऑफ लेंथ गेंदों से वैभव की कमजोरी का लगातार फायदा उठाया।

कॉमनवेल्थ बॉक्सिंग: अंजली और माही हुईं स्कॉटलैंड रवाना

खेल मंत्री ने दोनों खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं

● भोपाल / (एजेंसी)

मप्र राज्य बॉक्सिग अकादमी की मुक्केबाज अंजली सिंह (57 किग्रा) और माही लामा (60 किग्रा) का चयन 10 से 24 जुलाई 2026 तक ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में आयोजित कॉमनवेल्थ बॉक्सिग कैंप के लिए हुआ है। दोनों खिलाड़ी गुरुवार को स्कॉटलैंड के लिए रवाना हुईं। इस अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में दोनों खिलाड़ी विश्वस्तरीय कोचों के मार्गदर्शन में विभिन्न देशों के शीर्ष मुक्केबाजों के साथ अभ्यास करेंगी, जिससे आगामी प्रतियोगिताओं की बेहतर तैयारी कर सकेंगी। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने दोनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका चयन प्रदेश के लिए गर्व की बात है और उन्हें विश्वास है कि दोनों खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और मध्यप्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन	रात
689 = 3	150 = 6
340 = 7	136 = 0

शुभांक

दिन	रात
579 = 1	279 = 8
347 = 4	400 = 4

भाग्यांक

4 6 9 0

www.kalyangame.com

मुचोवा पहली बार विंबलडन फाइनल में

● लंदन / (एजेंसी)

चेक गणराज्य की कारोलिना मुचोवा ने सातवीं वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गॉफ को 6-2, 1-6, 7-6 (12-10) से हराकर पहली बार विंबलडन महिला सिंगल्स के फाइनल में जगह बना ली। 2 घंटे 35 मिनट तक चले सेमीफाइनल का फैसला तीसरे सेट के टाई-ब्रेकर में हुआ।

गॉफ को रोमांचक मुकाबले में हराया

29 वर्षीय मुचोवा के करियर का यह दूसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल है। इससे पहले वह 2023 फ्रेंच ओपन की उपविजेता रही थीं। फाइनल में उनका मुकाबला लिंडा नोस्कोवा और मार्ता कोस्त्युक के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा। चोटों से जूझ चुकी मुचोवा को 2022 में डॉक्टरों ने टेनिस छोड़ने तक की सलाह दी थी, लेकिन शानदार वापसी करते हुए वह अब अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

लॉर्ड्स में पहली बार महिला टेस्ट इंग्लैंड के सामने भारत की चुनौती

● लंदन / (एजेंसी)

क्रिकेट के ऐतिहासिक मैदान लॉर्ड्स पर शुक्रवार से पहली बार महिला टेस्ट मैच खेला जाएगा। 142 साल के इतिहास में यह पहला मौका है, जब इस प्रतिष्ठित मैदान पर महिला टेस्ट हो रहा है। मुकाबले में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम का सामना नैट स्कीवर-ब्रंट की अगुआई वाली इंग्लैंड से होगा। भारत का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाफ शानदार रहा है। भारतीय टीम 1995 के बाद से इंग्लैंड के खिलाफ कोई टेस्ट नहीं हारी है, जबकि इंग्लैंड की धरती पर खेले गए नौ टेस्ट में भारत ने दो जीते और सात ड्रॉ खेले हैं।

आईटीएफ वर्ल्ड मास्टर्स टेनिस में प्रमोद दीक्षित ने किया डबल धमाका

● भोपाल / (एजेंसी)

भोपाल के वरिष्ठ टेनिस खिलाड़ी प्रमोद दीक्षित ने महाराष्ट्र के सोलापुर में 3 से 8 जुलाई 2026 तक आयोजित एसडीएलटीए आईटीएफ एमटी-400 वर्ल्ड मास्टर्स टेनिस चैंपियनशिप के 65+ आयु वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिंगल्स और डबल्स दोनों वर्गों के खिताब अपने नाम किए। सिंगल्स फाइनल में प्रमोद दीक्षित ने हैदराबाद के मेहर प्रकाश को 6-4, 6-3 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं डबल्स फाइनल में प्रमोद दीक्षित और ओ.पी. दीक्षित की जोड़ी ने शीर्ष वरीय दिल्ली के अजित भारद्वाज और राकेश कोहली को 7-5, 6-3 से पराजित कर खिताब जीता। प्रमोद दीक्षित की इस दोहरी सफलता पर भोपाल के टेनिस जगत में खुशी की लहर है। समीर वर्मा, मनोज कुकरेजा, अतुल धूपर, अरविंद जैन, संजीव तथा कोच प्रचेत शुक्ला सहित अनेक खेल प्रेमियों और खिलाडियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

सिंगल्स और डबल्स दोनों खिताब किए अपने नाम

शरवरी-वेदांग रैना की तुलना पर इम्तियाज अली ने तोड़ी चुप्पी

फिल्ममेकर इम्तियाज अली इन दिनों अपनी नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर खूब चर्चा में हैं। इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है, खासकर इसके इमोशनल और दिल को छू लेने वाले कहानी के लिए।

एक्टिंग बॉक्सिंग की तरह नहीं होती

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में इम्तियाज अली ने फिल्म के दो यंग स्टार्स शरवरी और वेदांग रैना को लेकर चल रही तुलना पर अपनी बात रखी। उन्होंने बहुत ही सादे और समझदारी भरे अंदाज में कहा कि एक्टिंग कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा, 'एक्टिंग बॉक्सिंग की तरह नहीं होती। कलाकार एक-दूसरे के खिलाफ नहीं, बल्कि साथ मिलकर काम करते हैं। कुछ लोगों को वेदांग ज्यादा पसंद आए, तो कुछ को शरवरी, और ये बिल्कुल ठीक है।'

क्या है फिल्म की कहानी

फिल्म की कहानी 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन के समय पर आधारित है, जिसमें प्यार, जुदाई और हीलिंग की इमोशनल कहानी दिखाई गई है। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह का किरदार काफी मजबूत है, लेकिन इसके साथ ही शरवरी और वेदांग की लव स्टोरी भी लोगों का दिल जीत रही है।

दोनों ने एक टीम की तरह काम किया है

इम्तियाज अली ने दोनों की केमिस्ट्री की भी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, 'जब शरवरी और वेदांग साथ में स्क्रीन पर आते हैं, तो सीन और भी खूबसूरत बन जाते हैं। मेरे करियर में मैंने इतनी शानदार को-एक्टर्स की जोड़ी बहुत कम देखी है। दोनों ने एक टीम की तरह काम किया है।'

अपने हॉलीवुड करियर को बॉलीवुड के मुकाबले कमतर आंकती हैं प्रियंका

एक्टर प्रियंका चोपड़ा उन चुनिंदा भारतीय एक्टर्स में से एक हैं जिन्होंने बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों जगह कामयाबी हासिल की है। अपने हिंदी फिल्मी करियर के पीक पर वह इंटरनेशनल मौकों की तलाश में अमेरिका चली गईं। हालांकि, कई ग्लोबल प्रोजेक्ट्स में काम करने के बावजूद प्रियंका को लगता है कि हॉलीवुड में उनका काम भारतीय सिनेमा में किए गए उनके काम के मुकाबले कम ही है।

हॉलीवुड में अभी बेस्ट काम आना बाकी

कान लायंस सम्मेलन में बोलते हुए प्रियंका ने हॉलीवुड में अपने करियर पर नजर डाली और अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के साथ इसे और आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की। 'बेवॉच', 'द मैट्रिक्स रेजरेक्शन्स' और हाल ही में रिलीज हुई 'द ब्लफ' जैसी हॉलीवुड फिल्मों में शानदार अभिनय के बावजूद प्रियंका ने कहा कि उन्हें लगता है कि हॉलीवुड में उनका बेस्ट काम अभी आना बाकी है। एक्ट्रेस ने कहा कि अपने हिंदी भाषा के करियर में मैंने सभी बेहतरीन फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं के साथ काम किया है, मैंने अद्भुत कहानियां सुनाई हैं और अलग-अलग जॉनर में काम किया है। जबकि अमेरिका में हॉलीवुड में अपने अंग्रेजी भाषा के काम में मैंने ऐसा उतना नहीं किया है।

शादी और मां बनने के बाद बदल जाती हैं प्राथमिकताएं

प्रियंका ने कहा कि अब उनका अगला चरण इस बात पर केंद्रित होगा कि वो हॉलीवुड में भी बॉलीवुड की तरह अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाएं। अगला बदलाव यह पता लगाने के बारे में है कि मैं अपने हॉलीवुड के काम में अपने किरदारों में वैसी ही विविधता कैसे ला सकती हूं जैसी भारत में ला पाई हूं। इस दौरान प्रियंका ने शादी और मां बनने के बाद अपनी जिंदगी के बारे में भी खुलकर बात की और माना कि उनकी जिंदगी बहुत ज्यादा बदल गई है। उन्होंने कहा कि आपकी प्राथमिकताएं सच में बदल जाती हैं। अब मैं बस अपना सामान पैक करके किसी फिल्म के लिए नहीं निकल जाती। मैं साल में पांच फिल्में नहीं करती। मैं पहले की तरह यात्रा नहीं करती। मैं इस बात को लेकर बहुत ज्यादा सोच-समझकर फैसला करती हूं कि मैं अपना समय कैसे और किसके साथ बिताती हूं। मैं एक कामकाजी मां के तौर पर जिंदगी को संभाल रही हूं। अब मुझे अपनी मां के लिए और भी ज्यादा सम्मान महसूस होता है।

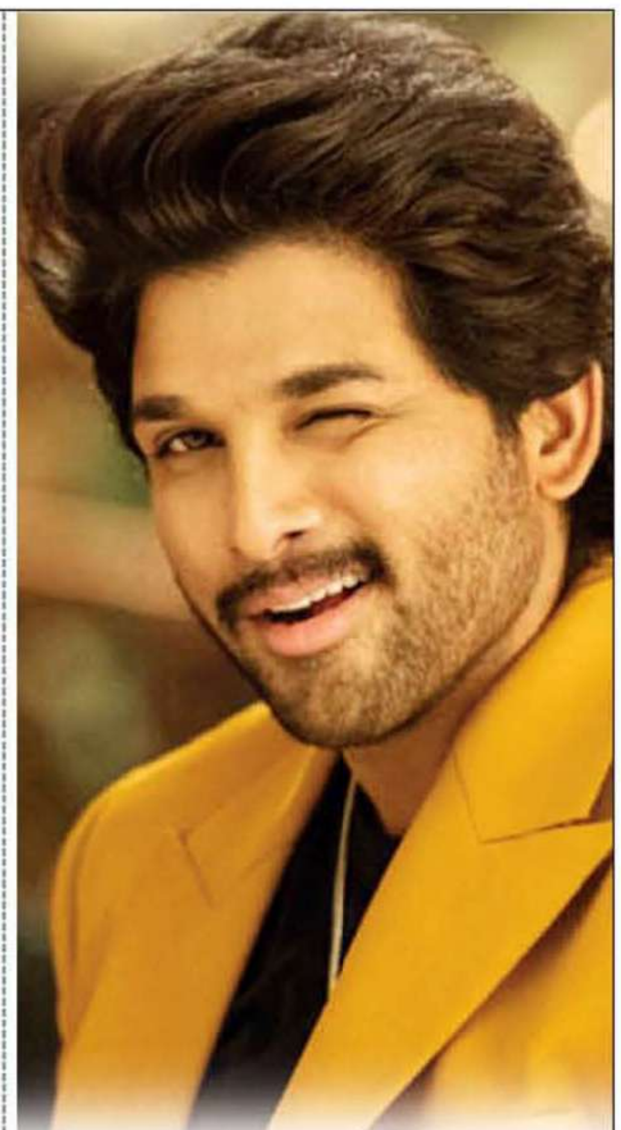

सितंबर 2026 तक पूरी होगी 'राका' की शूटिंग

'एए23' पर काम शुरू करेंगे 'पुष्पा' एक्टर अल्लू अर्जुन

'पुष्पा' फ्रैंचाइजी से पूरे भारत में मशहूर होने के बाद, अल्लू अर्जुन अपने करियर के अगले पड़ाव के लिए तैयार हो रहे हैं। पिछले दो वर्षों से अपनी फिल्मों की कामयाबी और ऑफ-स्क्रीन विवादों की वजह से चर्चा में रहे यह एक्टर अब अपने करियर के दो सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स - 'राका' और 'एए23' के लिए तैयारी कर रहे हैं।

'राका' पर ध्यान दे रहे अल्लू अर्जुन

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन अभी 'राका' के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी करने पर ध्यान दे रहे हैं। इस फिल्म का प्रोडक्शन 2026 के आखिर तक चलने की उम्मीद है। खबर है कि एक्टर सितंबर 2026 तक अपना शेड्यूल पूरा करना चाहते हैं। इसके बाद वह अपना ध्यान फिल्म 'एए23' पर देना चाहते हैं। इसकी शूटिंग दिसंबर में शुरू होने की संभावना है।

बड़े प्रोडक्शन की होगी जरूरत

कहा जा रहा है कि फिल्म 'राका' बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है। इसमें बहुत ज्यादा विजुअल इफेक्ट्स और बड़े प्रोडक्शन की जरूरत होगी। बताया यह भी जा रहा है कि फिल्मिंग पूरी होने के बाद भी वीएफएक्स के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से फिल्म को लंबे पोस्ट-प्रोडक्शन प्रोसेस से गुजरना होगा। खबर है कि मेकर्स इसे 2028 के बीच में रिलीज करने की सोच रहे हैं, जिससे उन्हें तकनीकी पहलुओं को बेहतर बनाने और विजुअल को अच्छा करने के लिए काफी समय मिल जाए।

'एए23' को लेकर बढ़ी उत्सुकता

अल्लू अर्जुन 'एए23' पर काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म के ऐलान के बाद से ही लोगों में इसे लेकर काफी उत्सुकता है और इसे एटली डायरेक्ट कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म को ग्लोबल लेवल पर एक कमर्शियल एंटरटेनर के तौर पर प्लान किया जा रहा है, जिसमें भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक और सबसे सफल मास फिल्ममेकर्स में से एक साथ आ रहे हैं।

फिल्मों के चुनाव को लेकर चेतना पांडे का बेबाक बयान

अभिनेत्री चेतना पांडे को हालिया रिलीज फिल्म 'हॉन्टेड 3डी: इकोज ऑफ द पास्ट' से दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस सफलता के बीच चेतना ने करियर, फिल्मों के चुनाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि अब वह केवल ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ाएं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ें।

चेतना पांडे ने कहा, ''करियर के इस पड़ाव पर मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती। हॉरर फिल्म में काम करने के बाद मुझे इस शैली की ताकत का एहसास हुआ है, इसलिए मैं आगे भी हॉरर फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं सिर्फ इसी शैली तक सीमित नहीं रहना चाहती। एक कलाकार के रूप में मेरा सबसे बड़ा सपना खुद को और अपने दर्शकों को लगातार नए रूप में चौंकाना है।'' अभिनेत्री ने कहा, 'मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं, जो मुझे भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती दे और मुझे आगे बढ़ाता रहे। चाहे कोई बड़ी कमर्शियल फिल्म हो, थ्रिलर हो या फिर बायोपिक, मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह बात रखती है कि मेरा किरदार दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहे।' चेतना ने कहा, ''मुझे फिल्म में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं चाहिए। मैं ऐसे रोल्स को प्राथमिकता देती हूं, जिनकी कहानी में दम हो और जो कुछ कहने की ताकत रखते हों। मैं केवल ग्लैमर दिखाने वाली भूमिकाओं की बजाय ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें। हर नया प्रोजेक्ट मुझे पहले किए गए काम से आगे ले जाए और कुछ नया सिखाए।'' चेतना ने कहा, ''मैं अभी भी इस पूरे अनुभव को समझने और महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी फिल्म पर मेहनत करता है, कई तरह की चुनौतियों का सामना करता है और यह उम्मीद करता है कि दर्शक उसके काम को पसंद करेंगे, तब सफलता मिलने के बाद उस पल को तुरंत समझ पाना आसान नहीं होता।'' 'हॉन्टेड 3डी' फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए चेतना ने कहा, 'पिछले कुछ दिन जश्न से ज्यादा आभार के रहे हैं। मैंने सबसे पहले परिवार, दोस्तों और उन लोगों से बात की, जिन्होंने इस सफर में हर कदम पर मेरा साथ दिया। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मेरे करीबी लोग मेरी सफलता से खुश हैं।'

बदलते दौर के साथ कॉमेडी बदली है, हमसे ज्यादा प्रेशर में फिल्म एक्टर्स हैं

अली असगर उन सधे हुए कलाकारों में से है, जिन्होंने हर किरदार में जान डाली है। बात कॉमेडी की आई, तो उन्होंने ऐसी छाप छोड़ी है, जो ताउम्र दुनिया को हंसाते रहेगी। टीवी पर 'कॉमेडी सर्कस', 'जरा नचके दिखा', 'एंटरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा' जैसे शोज के जरिए वह दशकों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं।

55 साल के अली कहते हैं कि बदलते दौर के साथ अब कॉमेडी भी बदल गई है। खास बातचीत में उन्होंने कॉमेडी के बदलते स्वरूप पर दो टूक राय दी। कहा, 'जैसे-जैसे दौर बदलता है, वैसे-वैसे कॉमेडी भी बदलती है। जब 'कॉमेडी सर्कस' शुरू हुआ तो बहुत लंबा चला। लेकिन मुझे नहीं लगता कि वही चीज आज उतना चल पाएगी, क्योंकि आखिर आप कितनी चीजें क्रिएट करोगे।'

मुंबई में पैदा हुए अली असगर मानते हैं कि समय के साथ ही ऑडियंस भी जल्दी ऊब जाती है। अब दर्शकों का अटेंशन स्पैन कम हो गया है। अब इंस्टाग्राम रील्स वगैरह के कारण 15-30 सेकंड तक या ज्यादा से ज्यादा 1 मिनट तक ही आप दर्शकों को रोक सकते हैं। इसके बाद सारा दारोमदार आपके कंटेंट पर है। यदि कंटेंट में दम नहीं है, परफॉर्मेंस अच्छी नहीं है तो आप ऑडियंस को खो देंगे। जहां तक क्लीन कॉमेडी की बात है, तो दादा-दादी से लेकर बच्चों तक, पूरा परिवार एकसाथ देख सके, वह कंटेंट तो और भी मुश्किल है।

हमसे ज्यादा प्रेशर फिल्मी कलाकारों पर है

बदलते वक्त में फिल्म इंडस्ट्री के लोगों पर भी प्रेशर बढ़ा है। कई सितारे इस बारे में अपनी बात कह भी चुके हैं। अली कहते हैं, 'प्रेशर तो हर जगह है, हर फील्ड में है। सिनेमा एक्टर्स को सबसे ज्यादा प्रेशर होता है कि शुक्रवार को क्या होगा। उनके सिर पर तो करोड़ों रुपये का दांव लगा होता है। टीवी में हम एक्टर्स का इतना कुछ दांव पर नहीं होता, क्योंकि पैसा, प्रोडक्शन किसी और का है। हम तो किरदार निभाते हैं। जो कैरेक्टर हमें मिलता है, हम उसे अच्छे से निभाने की कोशिश करते हैं। लेकिन अगर वह चीज नहीं चलती है, तो उसका दोष भी हमारे ऊपर आ जाता है। कई बार फिल्म नहीं चलती है तो डायरेक्टर को कोई दोष नहीं देता है, बल्कि लोग कहते हैं कि उस कलाकार की फिल्म नहीं चली। लेकिन सच तो यह है कि यह पूरी एक टीम है, कई डिपार्टमेंट उसमें जुड़े होते हैं।'

हर कलाकार के लिए थिएटर जरूरी

अली असगर उन कलाकारों में से हैं, जो टीवी और फिल्मों के साथ ही थिएटर के मंच पर भी लगातार परफॉर्म करते हैं। हाल ही वह दिल्ली में भी रंगमंच पर 'टॉम एंड जैरी' नाम के नाटक की प्रस्तुति करते देखे गए। जब अली असगर से पूछा गया कि टीवी के दर्शक और थिएटर के दर्शकों में क्या अंतर होता है? उन्होंने जवाब दिया, 'जिस शिद्दत से हम थिएटर में परफॉर्म करते हैं, उसी शिद्दत से हमें दर्शकों की प्रतिक्रिया भी मिलती है। यहां आपको तुरंत रिस्पॉन्स मिलता है। जैसे ही प्ले शुरू होता है, आपको ऑडियंस के साथ तुरंत रिश्ता बनाना होता है। वह रिश्ता बनाना चुनौतीपूर्ण भी है, आकर्षित भी करता है और जरूरी भी है। वहां आपको बहुत सावधान भी रहना होता है, क्योंकि कोई कट तो होता नहीं है। इसलिए मौके को देखकर ही खुद को सुधारना होता है। मैं तो सभी कलाकारों से कहूंगा कि आप लोग भी आकर थिएटर करें। यह हमारे लिए एक मेंटल एक्सरसाइज है और चैलेंजिंग भी है।'

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

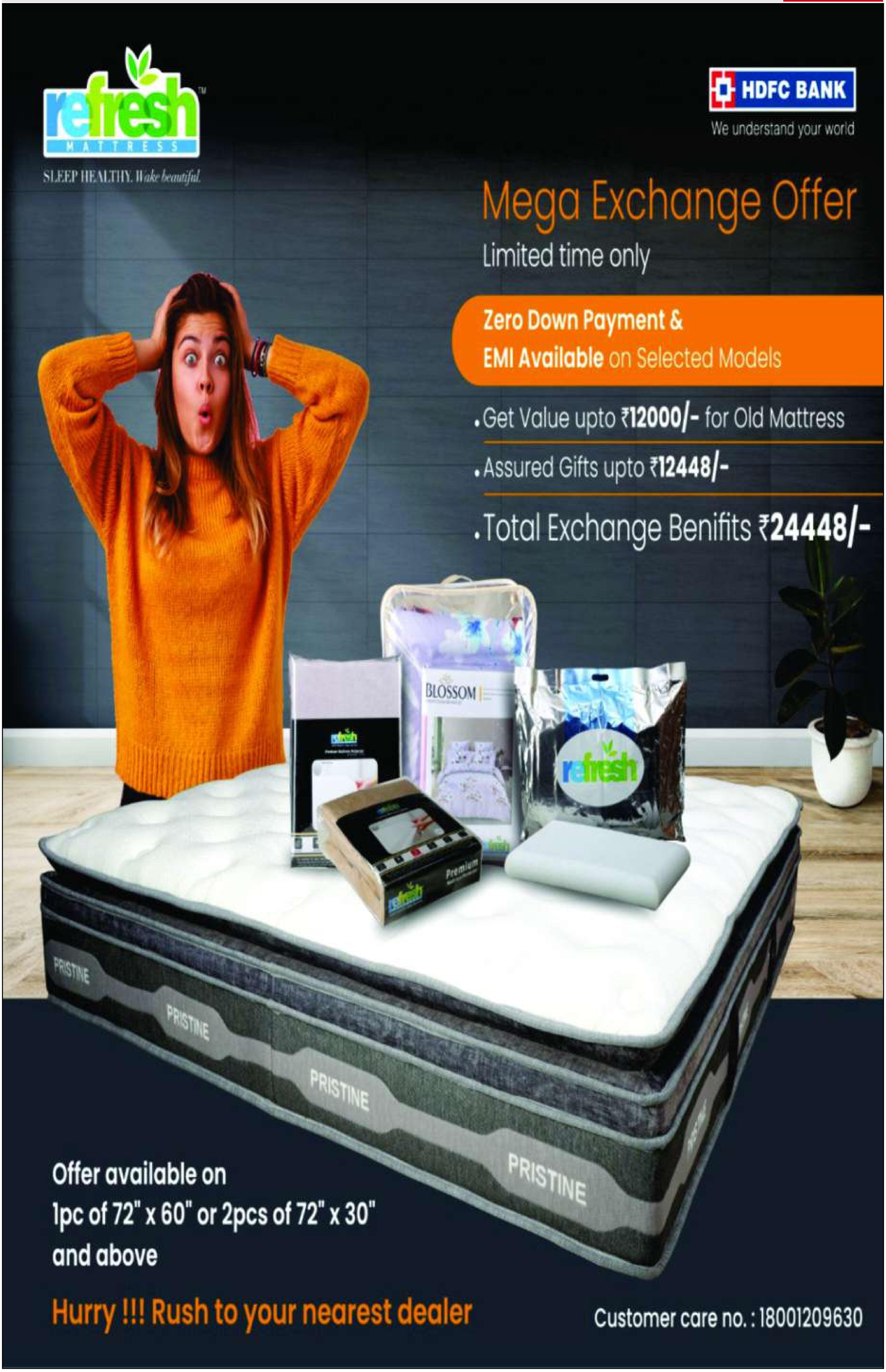
refresh™
MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630